भाद्रपद शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 159 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
24 नवम्बर 2023 शुक्रवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
15 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

कांग्रेस के लिए कैसे बनेगी सत्ता की राह?

मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव 2023 के अंतिम चरण के बतौर 17 नवंबर को हुए मतदान के बाद कांग्रेस और भाजपा के बीच भोपाल की सत्ता के सिंहासन पर पहुंचने के दावे-प्रतिदावे तो जमकर हो रहे हैं लेकिन सत्ता की राह इतनी आसान नहीं हैं, खासतौर से कांग्रेस के लिए। यदि उसे पिछली विधानसभा के चुनावी परिणामों की तरह भाजपा से आगे निकलने या अपने बूते बहुमत के आंकड़े को पार करना है तो उसे अपने पक्ष में 42 फीसदी से ज्यादा मतदाताओं का भरोसा जीतना होगा और भाजपा के मत प्रतिशत को 40 प्रतिशत के नीचे ले जाना होगा। सवाल यही है कि जमीनी लड़ाई पर यह मुमकिन हुआ है या हो सकता है?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

सूबे में बीते साढ़े तीन दशक के बीच हुए चुनावी नतीजों और उनके आंकड़ों का आकलन बारीकी से किया जाए तो इसमें कोई शक नहीं कि कांग्रेस ने 1998 के बाद 2018के विधानसभा चुनावों यानि तीस साल बाद अपने वोटों के आंकड़े को चालीस पार पहुंचाया था। लेकिन यह भी सच है कि भाजपा से पांच सीटें ज्यादा जीतने के बावजूद कांग्रेस मत प्रतिशत में भाजपा से बारीक अंतर से पिछड़ गई थी। कांग्रेस ने 1 करोड़ 55 लाख 95 हजार153 वोट हासिल करते हुए अपने मत प्रतिशत को 36.79 फीसदी से करीब चार फीसदी ज्यादा बढ़ाते हुए 40.89 फीसदी वोट प्राप्त किए थे। इसके विपरीत भाजपा का वोट प्रतिशत 45.19 फीसदी से घटकर41.02 पर आ गया था और उसकी सीटों का आंकड़ा भी 165 से नीचे उतरकर 109 पर जा पहुंचा था। कांग्रेस की बात करें तो उसकी सीटें 58 से कुलांचे मारते हुए 114 तक पहुंचा लेकिन फिर भी बहुमत के आंकड़े में दो की कमी रह गई और उसे अपने बागियों और बसपा के सहयोग से सरकार बनाना पड़ी थी।

कांग्रेस के विधानसभा चुनावों में चालीस फीसदी के आंकड़े को पार करने की बात करें तो 1998 में उसने 41.13 प्रतिशत वोट पाए थे। लेकिन तब की बात अविभाजित मप्र की कहानी है जब कांग्रेस के प्रभाव वाला छत्तीसगढ़ का हिस्सा मध्यप्रदेश में समाहित था। इसके बाद हुए चुनावों की बात करें तो 2003 में कांग्रेस विभाजित मप्र में मिलने वाले मतों का हिस्सा 31.70 फीसदी रह गया था। यानि करीब साढ़े नौ फीसदी नीचे। 2008 का विधानसभा चुनाव आया तो 2003 के मुकाबले 1.85 फीसदी बढ़ा लेकिन भाजपा का वोट प्रतिशत गिरने के चलते कांग्रेस की सीटों का आंकड़ा 38 से बढ?र 71 तक जा पहुंचा। 2008 में कांग्रेस और भाजपा के बीच मत प्रतिशत का अंतर छह फीसदी से थोड़ा कम रह गया था। भाजपा को 2008 में 38.09 प्रतिशत वोट मिले थे।

साल 2013 की बात करें तो कांग्रेस ने 2008 के मुकाबले चार फीसदी वोट ज्यादा (36.79) बढ़ाया। लेकिन भाजपा ने 2008 के मुकाबले अपने मत प्रतिशत को सात फीसदी से ज्यादा(45.19) बढ़ाते हुए अपनी सीटों का आंकड़ा 165 कर पहुंचा दिया और कांग्रेस 58 पर सिमट गई। यानि 2003 से 2013 के बीच कांग्रेस का मत प्रतिशत 31.70से 36.79 के बीच रहा जबकि भाजपा के वोट 38.09 से 45.19 के बीच रहे। यानि 2003 के बाद 2013 में कांग्रेस भाजपा से सात फीसदी से ज्यादा वोटों से पिछड़ गई। आंकड़ों के इस आईने के प्रकाश में देखें तो भाजपा और कांग्रेस के बीच वोटों का अंतर पिछले चुनाव के 0.13 से लेकर साढ़े नौ फीसदी के बीच रहा है। अब इस अंतर को पाटते हुए भाजपा को हराने या बहुमत पाने के लिए कांग्रेस को न सिर्फ 2018 के 40.89 फीसदी के आंकड़े को छूना है न सिर्फ उसे 42 के पार ले जाना है, बल्कि भाजपा के मतों के आंकड़े को 40 फीसदी के नीचे रखना है।

बसपा-गोंगपा गठजोड़ भी बड़ा खतरा

कांग्रेस के लिए एक और खतरा बहुजन समाज पार्टी से है जिसने पिछले चुनाव में मात्र 5 पांच फीसदी (19 लाख11 हजार 642) वोट हासिल किए थे। 2013 में बसपा को मिले वोटों के लिहाज से देखें तो यह करीब डेढ़ फीसदी कम था। उसे तब 21लाख28 हजार 333 वोट के साथ 4 सीटें मिली थीं। इसके पहले 2008 में 9 फीसदी वोटों के साथ उसे 7 सीटें मिली और उसके खाते में 22लाख 62 हजार119 वोट आए। जबकि 2003 में बसपा ने मात्र दो सीटें हासिल कीं लेकिन उसने 18 लाख 52 हजार528 वोटों के साथ 10.61 फीसदी वोट जुटाए। इस लिहाज से देखें तो बसपा कांग्रेस के लिए बड़ा खतरा नहीं बनती दिखती। लेकिन इस बार वह 178 सीटों पर चुनाव लडने के साथ 22 सीटों पर गोंडवाणा गणतंत्र पार्टी के साथ मैदान में है। इसमें कोई शक नहीं कि गोंगपा पहले के मुकाबले बिखरी है। पिछले चुनाव में वह 1.77 फीसदी वोटों के साथ 6 लाख 75 हजार 648 वोट और दो सीटें ले गई थी। लेकिन इस बार वह गोंगपा के साथ मिलकर कुछ ज्यादा सीटें ले जा रही है लेकिन उससे ज्यादा सीटों पर वह कांग्रेस के लिए वोट कटवा साबित हो सकती है। सवाल यही है कि बसपा और गोंगपा के दलित -गौंड आदिवासी गठजोड़ के भंवरजाल से निकलकर कांग्रेस 3 दिसंबर को होने वाले मतदान में जीत हासिल कर सकेगी? इस चुनाव ने बसपा ने सतना की रैगांव, सतना तथा नागोद सीट के साथ ही रीवा की सिरमौर, सेमरिया और मुरैना सीट पर जीत के लिए जोर मारा है तो गोंगपा ने दमोह की जबेरा सीट के साथ महाकौशल की आधा दर्जन से ज्यादा सीटों पर हलचल मचाई है। *(क्रमशः)*

सस्पेंस : नौकरशाही की नजर 30 नवंबर पर

जिसका इकबाल बुलंद वही मुख्यसचिव, तीन दावेदार भी तैयार!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र के मुख्यसचिव इकबाल सिंह बैंस के रिटायरमेंट की तारीख करीब आने के बाद प्रशासनिक गलियारों में इस पद को लेकर खासी सरगर्मी है। उन्हें फिर एक्सटेंशन मिलेगा या नया अधिकारी नियुक्त होगा, इस पर कयासबाजी हैं। अभी मप्र में चुनाव आचार संहिता लागू रहने की वजह से सरकार से ज्यादा महत्वपूर्ण रोल अब चुनाव आयोग का हो गया है। इसलिये वरिष्ठता के आधार पर पर नए मुख्य सचिव की नियुक्ति की चर्चा भी चल पड़ी है। इनमें वीरा राणा, अनुराग जैन,मो. सुलेमान के नाम उभर रहे हैं। यह भी दिलचस्प होगा कि यदि आचार संहिता के दौर में 'नया' मुख्यसचिव पदस्थ हुआ भी तो उस अफसर को कितने दिन काम का मौका मिलेगा,सात दिन या पंद्रह दिन? क्योंकि नियुक्ति के तीन दिन बाद चुनाव परिणाम आयेंगे। जाहिर है कि सत्ता में भाजपा लौटी या कांग्रेस, दोनों अपने मुताबिक जमावट करेंगे।

बैंस आगामी तीस नवंबर को अपनी सेवावृद्धि अवधि समाप्त होने के चलते रिटायर हो रहे है। इसलिए निर्णय चुनाव आयोग के पाले में है। हालांकि कल जब चर्चा उड़ी कि आयोग ने बैंस की सेवावृद्धि को मंजूरी दे दी है, तो मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने खंडन करने में देरी नहीं की। दरअसल, शिवराज सरकार ने मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस को छह-छह माह करके दो बार सेवावृद्धि दिलाई है। अब नए मुख्य सचिव को लेकर पांच दिन में निर्णय जरूरी हो गया है। बैंस को सेवावृद्धि या वरिष्ठता के अनुसार किसी अन्य अधिकारी को मुख्य सचिव का प्रभार देने का निर्णय होगा। यदि सेवावृद्धि नहीं दी जाती है तो प्रदेश में 1988 बैच की अधिकारी वीरा राणा सबसे सीनियर हैं वहीं 1989 बैच के अनुराग जैन व मोहम्मद सुलेमान और फिर विनोद कुमार का नाम आता है। चूंकि जैन अभी केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर हैं दो मप्र में मौजूद चौथे अफसर का नाम आ रहा है।

बैंस ही होंगे बॉस ?: *हालांकि अंदरखाने चर्चा है कि सरकार की कोशिश नई सरकार के गठन तक इकबाल सिंह बैंस के सेवाविस्तार की है, इसके लिए प्रस्ताव भी जा सकता है। क्योंकि तीन दिन बाद पूरे प्रदेश में मतगणना है, ऐसे में नया मुख्य सचिव अपना कामकाज कैसे जमा पाएगा यह भी सवाल है ? इन स्थितियों में बैंस को कुछ दिन के एक्सटेंशन की संभावना बनती है। वरिष्ठता के मान से मप्र कॉडर में कई वरिष्ठ अफसर हैं, इनमें से कई केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। संभवतःआचार संहिता के बीच तत्काल उन्हें प्रदेश वापस नहीं लाया जा सकता। हालांकि कुछ दिन के लिये इस 'समस्या' का समाधान चुनाव आयोग प्रदेश के वरिष्ठ अफसर को कमान देकर भी निकाल सकता है। मगर इस मामले में सभी पक्ष एकदम खामोश हैं।*

पिछले चुनाव से सात गुना ज्यादा

वोटिंग से पहले बेहिसाब कैश से चकराया आयोग, 1760 करोड़ जब्त

हैदराबाद/नई दिल्ली , एजेंसी।

तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के लिए 30 नवंबर को मतदान होने वाला है लेकिन चुनाव प्रचार के दौरान पुलिस ने रंगारेड्डी के गच्चीबाउली से एक कार से पांच करोड़ रुपये कैश बरामद किया है। जब कार चालकों से इस कैश के बारे में पूछा गया, तो वे इस कैश का कोई हिसाब नहीं दे पाए। वाहन चेकिंग के दौरान एक कार में दो सूटकेस मिले थे,इनमें पांच करोड़ थे। कैश को आयकर विभाग को सौंप दिया गया है। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने ही इससे पहले जानकारी दी थी कि पांच राज्यों में चुनाव के ऐलान के बाद से अब तक करीब 1760 करोड़ रुपये का बेहिसाब कैश जब्त किया गया है। यह 2018 में इन 5 राज्यों से मिले कैश का 7 गुना ज्यादा है।

चुनाव आयोग राज्य और केंद्र की एजेंसियों के साथ मिलकर इस तरह की कार्रवाई को अंजाम देता है। चुनाव आयोग के मुताबिक, चुनाव ऐलान के बाद एमपी, मिजोरम, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और राजस्थान

से 1760 करोड़ रुपये से ज्यादा की जब्ती की गई है। जबकि 2018 में इन्हीं राज्यों से 239.15 करोड़ रुपये की जब्ती हुई थी। इसके अलावा जेवरात और शराब भी भारी मात्रा में जब्त हुई हैं।

मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल 2 को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई । मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एक ईमेल भेजा गया, जिसमें टर्मिनल 2 को उड़ाने की धमकी दी गई है। ईमेल भेजने वाले ने विस्फोट को रोकने के लिए बिटकॉइन में दस मिलियन डॉलर की मांग की है। छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट को गुरुवार को धमकी मिली। धमकी मिलने के बाद सहर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज किया गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। एयरपोर्ट मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) द्वारा संचालित किया जाता है। एयरपोर्ट को 11.06 बजे फीडबैक इनबॉक्स में धमकी मिली थी। सेंडर ने विस्फोट को रोकने के लिए 48 घंटो के भीतर बिटकॉयन में एक मिलियन डॉलर की मांग की है। ईमेल में सेंडर ने कहा, 'तुम्हारे एयरपोर्ट के लिए यह आखिरी चेतावनी है।

कल ऐनवक्त पर आई थी तकनीकी बाधा

मजदूरों की सुरंग से मुक्ति के लिए अब शाम का इंतजार

उत्तरकाशी , एजेंसी।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को बाहर निकालने में कल आई तकनीकी बाधा आज दूर हो गई है तथा फिर से खुदाई शुरु हो गई है। अब शाम 6 बजे तक मजदूरों को सुरंग से बाहर लाने की संभवना बताई गई है। मजदूरों को निकालने के लिए अब तक 46.8 मीटर की खुदाई की जा चुकी है। महज 10 मीटर की खुदाई बाकी है। विदेश से आई ऑगर मशीन में खराबी भी बाधा बनी है। राहत की बात यह है कि सभी मजदूर सुरक्षित हैं। उन्हें लगातार पीने का पानी, खाना और दवाएं मुहैया करवाई जा रही हैं। सुरंग में बिजली का प्रकाश भी फैला दिया गया है।

बताया जाता है कि सिलक्यारा टनल में ऑगर मशीन को दुरुस्त किए जाने के बाद अब पाइप को काटने का कार्य किया जा रहा है। गैस कटर से पाइप को काटा जा रहा है।

महाकाल से प्रार्थना: उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के पुजारियों ने उत्तराखंड टनल में फंसे 41 मजदूरों के सुरक्षित निकालने को लेकर विशेष प्रार्थना की। पुजारियों ने सुबह की भस्म आरती के दौरान महाकाल से मजदूरों की जान बचाने को लेकर विशेष पूजा की।ज्ञात हो कि यह मजदूर 12 नवंबर को दीवाली के दिन टनल धंसने से फंसे हैं।

दरअसल, ऑगर मशीन से पाइप को पुल किए जाने के दौरान इसके आगे का हिस्सा मुड़ गया था। टनल रेस्क्यू ऑपरेशन पर कहा कि सीएम पुष्कर सिंह धामी ने खुद मोर्चा संभाला हुआ है। वे लगातार अधिकारियों से संपर्क में हैं। उत्तरकाशी में मिनी सचिवालय बनाया गया है। पीएम नरेंद्र मोदी को अपडेट दिया जा रहा है। अब मजदूरों के फंसे होने की जगह पर सेफ लैंडिंग की तैयारी है। अभी 14 मीटर की खुदाई बाकी है।

काठमांडू में बवाल,नेपाल में राजतंत्र की वापसी के लिए भड़का आंदोलन

काठमांडू, एजेंसी।

पड़ोसी देश नेपाल में एक बार फिर से राजतंत्र की वापसी की मांग तेज होती जा रही है। काठमांडू में राजतंत्र समर्थकों के प्रदर्शन व हिंसा भड़कने के बाद अफरातफरी का माहौल है। पुलिस को प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले दागने पड़ रहे हैं। बवाल को बढ़ता देख नेपाल की सेना को अलर्ट पर रखा गया है। राजतंत्र के समर्थन में हो रहे इस प्रदर्शन का नेतृत?व दुर्गा परसाई कर रहे हैं जो एक उद्यमी हैं और खुद पूर्व माओवादी रह चुके हैं।

नेपाल के गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सेना को अलर्ट पर रखा गया है लेकिन इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं पड़ी है। बताया जा रहा है कि प्रदर्शन के दौरान दुर्गा परसाई अपने प्रदर्शन के मूल स्थान से बाजार की ओर चले गए जहां वह राजतंत्र को बहाल करने के समर्थन में नारे लगाने लगे। साथ ही उन्होंने 'महंगे संघीय सिस्टम' को खत्म करने की भी मांग की। इस दौरान उनकी केपी ओली की पार्टी यूएमएल के यूथ विंग युबसंघ के सदस्यों से भी बड़ी झड़प हो गई। युबसंघ के सदस्यों ने परसाई ग्रुप को प्रदर्शन के लिए दिए गए इलाके में जबरन घुसने की कोशिश की तो काठमांडू पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा ओली के करीबी महेश बासनेट ने चेतावनी दी कि वे परसाई के समर्थकों को अराजक स्थिति नहीं पैदा करने देंगे। परसाई ने कहा कि उनका आंदोलन वर्तमान व्यवस्था के खिलाफ लोगों का जनविद्रोह है। प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड लोगों के सामने सरेंडर कर दें और नेपाली जनता की इच्छा के मुताबिक राजनीतिक व्यवस्था को लागू करवाएं।

मेट्रो एंकर | **पीएमएलए पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम अदालत की टिप्पणी**

हम भी समझते हैं, भारी दिल से दे रहा हूं आदेश

नई दिल्ली , एजेंसी।

मैं ये काफी भरी दिल से कर रहा हूं मिस्टर सॉलिसिटर ! यह बात धनशोधन निवारण अधिनियम यानि पीएमएलए पर दो दिन की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एसके कौल ने केंद्र सरकार की मांग पर कही। शीर्ष अदालत कानून के कुछ प्रावधानों की वैधता और 2022 के फैसले पर सुनवाई की है। तब सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून को बरकरार रखा था। मगर सर्वोच्च अदालत ने अब आदेश दिया कि मामले की सुनवाई नई बेंच करेगी। बेंच ने कहा कि केंद्र सरकार लगातार इस मामले की सुनवाई को स्थगित करने की मांग कर रही थी। ज्ञात हो इस मामले में ईडी को बेलगाम घोड़ा बनाने के भी आरोप हैं।

दरअसल, इस मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस कौल अगले महीने रिटायर होने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की तीन सदस्यीय पीठ ने सुनवाई की। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने अपनी दलीलें खत्म कीं लेकिन केंद्र इस मामले की सुनवाई के दौरान से ही मामले के स्थगन की मांग कर रही थी। केंद्र का कहना था कि याचिकाकर्ता ने अंतिम समय में अपनी याचिका में बदलाव किया था। मामले को सुन रहे जस्टिस कौल ने मामले को नए बेंच को स्थानांतरित करने का आदेश दे दिया। इसके बाद जस्टिस कौल ने सॉलिसिटर जनरल की मांग को स्वीकार कर लिया। हालांकि, उन्होंने केंद्र की मांग पर नाराजगी भी जताई।

गौरतलब है कि जस्टिस कौल 15 दिसंबर को रिटायर होने वाले हैं। केंद्र की मांग के खिलाफ वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी दलीलें दीं। वहीं जस्टिस कौल ने कहा, मैं क्या कर सकता हूं.. मैं ये काफी भारी दिल से कर रहा हूं..। इसके बाद जस्टिस कौल ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी और केस को चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के सामने भेजा गया। चीफ जस्टिस के पास ही नई बेंच बनाने का अधिकार होता है। कोर्ट ने केंद्र सरकार की संशोधन याचिका को स्वीकार करते हुए उसे इस मामले में जवाब देने के लिए 2 महीने का वक्त दिया।

कभी कभी बिना कहे छोड़ देना चाहिए

जस्टिस कौल ने सॉलिसिटर को जवाब देते हुए कहा.. हम सबकुछ जानते हैं। लेकिन कभी-कभी चीजों को बिना कुछ कहे छोड़ देना चाहिए।.. बेंच ने कहा कि स्थगन के बाद इस बेंच के पास आदेश देने का समय नहीं होगा। अब चूंकि मामले को स्थगित कर दिया गया है तो और इस मामले की चुनौती और इसकी वैधानिकता को देखते हुए अब चीफ जस्टिस ही नई बेंच का गठन करेंगे।

रोशनी से जगमगाया शहर

भोपाल। देवउठनी ग्यारस पर राजधानी में हुई जमकर हुई आतिशबाजी, चित्र लालघाटी क्षेत्र का। फोटो निर्मल व्यास

एनजीटी की सख्ती से एक्शन में अफसर, जल्द शुरू होगी कार्रवाई

ग्रीन बेल्ट के 692 अतिक्रमण ध्वस्त करने कलेक्टर ने अफसरों के साथ की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में ग्रीन बेल्ट वाले 692 क्षेत्रों से जल्द ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू होने वाली है। इस संबंध में एनजीटी द्वारा दिए गए निर्देशों का सख्ती से पालन कराने के लिए कलेक्टर आशीष सिंह ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ गुरुवार को बैठज जरूरी तैयारी की। बैठक में कलेक्टर ने वन विभाग, नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, सीपीए सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि एनजीटी द्वारा बताए गए सभी ग्रीन बेल्ट क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने के संबंध में कार्रवाई की जाए।

उन्होंने बताया कि एनजीटी द्वारा जारी निर्देश में ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में सर्वाधिक अतिक्रमण वाले स्थान अयोध्या नगर बायपास रोड, नीलबड़ से मुगालिया छाप, पटेल नगर बायपास से 11 मील रोड, करोंद बायपास रोड, भानपुरा चौराहा से आशाराम बापू चौराहा आदि शामिल हैं। सभी विभाग आपस में तालमेल बनाकर संयुक्त रूप से सख्त कार्रवाई करें। इस बैठक में डीएफओ आलोक पाठक, नगर निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए, एडीएम हरेंद्र नारायण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर आशीष सिंह ने नगर निगम, पीडब्ल्यूडी, सीपीए एवं वन विभाग के अधिकारियों से दल बनाकर एनजीटी के निर्देशों का पालन करने के लिए कहा है।

अव्यवस्थित पार्किंग पर सख्ती

बैठक के दौरान कलेक्टर आशीष सिंह शहर की अव्यवस्थित पार्किंग को लेकर सख्त हुए और निगम के अधिकारियों को इसे सुधारने निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पांच वर्ष में उनके द्वारा व्यवसायिक निर्माण की जितनी अनुमति दी गई है एवं भविष्य में दी जानी है उनमें पार्किंग व्यवस्था का निरीक्षण कराएं और यह सुनिश्चित किया जाए कि पार्किंग का क्षेत्र पार्किंग के लिए ही उपयोग हो। यह भी देखा जाए कि सभी व्यवसायिक निर्माण में पार्किंग व्यवस्था अनिवार्य है, इसी के बाद अनुमति दी जाए और उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

अधिकारियों को पहली बार हुआ मुसाफिरों की मुश्किलों का अहसास

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

संभवतः पहली बार रेलवे के अधिकारियों को इस बात का अहसास हुआ है कि ऐनवक्त पर ट्रेनों को निरस्त करने से आम यात्रियों को कितनी परेशानी होती है।

असल में रेलवे ने दो महीने पहले बताया है कि जनवरी और फरवरी में एक या दो नहीं बल्कि 98 ट्रेनों को निरस्त करेंगे। इनमें से 70 प्रतिशत ट्रेनें भोपाल रेल मंडल के भोपाल, इटारसी, रानी कमलापति और बीना रेलवे स्टेशन से होकर गुजरती है। इन ट्रेनों को मथुरा स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग के तहत पटरियों को जोड़ने के काम के चलते निरस्त किया जाएगा। गौरतलब है कि रेल्वे ने जनवरी व फरवरी माह में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-अमृतसर एक्सप्रेस, अमृतसर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस, पुणे- जम्मूतवी झेलम एक्सप्रेस, जम्मूतवी-पुणे झेलम, कोल्हापुर-हजरत निजामुद्दीन, हजरत निजामुद्दीन- कोल्हापुर, लोकमान्यतिलक टर्मिनस -हरिद्वार, हरिद्वार - लोकमान्य तिलक,यशवंतपुर - दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस,एम.जी. रामचंद्र सेंट्रल-हजरत निजामुद्दीन, सिकंदराबाद- हजरत निजामुद्दीन, सिकंदराबाद- हजरत निजामुद्दीन, बिलासपुर-नई दिल्ली, तिरुवनंतपुरम-नई दिल्ली केरला एक्सप्रेस, एर्नाकुलम-हजरत निजामुद्दीन, आदि दोनों जोडियां गाड़ियां निरस्त की हैं।

अब दो महीने पहले बताया 98 ट्रेनें निरस्त होंगी, अब तक एक दिन पहले बताते थे

यात्री यहां से ले जानकारी: भोपाल रेल मंडल के पीआरओ सूबेदार सिंह का कहना है कि इन ट्रेनों से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने के लिए यात्री रेल सुविधा नंबर 139 पर संपर्क कर सकते हैं। साथ ही रेलवे के एनटीईएस सिस्टम पर भी जाकर स्थिति को देखा जा सकता है।

अतिथि शिक्षक सुसाइड मामले में सवा महीने से गायब प्राचार्य!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल जिले के ग्राम हर्राखेड़ा स्थित शासकीय अरविंद भार्गव हायर सेकंडरी स्कूल के अतिथि शिक्षक सुसाइड मामले में आरोपी स्कूल प्राचार्य श्रीप्रकाश विजयवर्गीय अब तक पुलिस के हाथ नहीं लगा है। वह परिवार समेत साकेत नगर स्थित निवास से करीब सवा महीने से गायब है। मामले में अब पुलिस द्वारा प्राचार्य पर इनाम घोषित करने और उसकी संपत्ति कुर्क करने की कार्यवाही शुरू की जा रही है। गुनगा थाना प्रभारी अरूण शर्मा ने बताया कि आरोपी प्राचार्य के ऊपर ईनाम घोषित करने साथ ही संपत्ति कुर्क करने की तैयारी की जा रही हैं। उसकी संपत्ति की जानकारी जुटाई गई है।

पुलिस ने जुटाई संपत्ति की जानकारी, अब इनाम घोषित करने के साथ होगी कुर्की की कार्यवाही

स्कूल शिक्षा विभाग के अफसर बने हुए अनजान: जानकारी के मुताबिक मूलतः अशोक नगर निवासी आकाश यादव पिता गोपाल यादव (23) यहां ग्राम हर्राखेड़ा स्थित शासकीय अरविंद भार्गव हायर सेकेंडरी स्कूल में बतौर अतिथि शिक्षक नौकरी कर रहे थे। पंद्रह दिन पहले आकाश ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया था। आकाश के पास मिले सुसाइड नोट में लिखा था कि प्रिंसिपल श्रीप्रकाश विजयवर्गीय उसके स्थान पर अपने साले को रखना चाहते हैं। अतिथि शिक्षक छगनलाल शाह और नरेंद्र दुबे, प्रिंसिपल के साथ मिलकर मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। मामले में गुनना थाना पुलिस ने प्राचार्य समेत तीन लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। जिसके बाद से स्कूल प्राचार्य मेडिकल लीव के बहाने गायब हुआ है। हर्राखेड़ा स्कूल संकुल केंद्र होने के कारण आसपास के शासकीय स्कूलों की व्यवस्था भी बिगड़ रही है। बावजूद इसके अफसर मामले से अनजान बने हुए है। जिला शिक्षा अधिकारी अंजनी कुमार त्रिपाठी ने लोक शिक्षण में कार्रवाई के लिए प्रस्ताव बनाकर भेज दिया है, लेकिन लोक शिक्षण के अफसर मामले में अनजान बने हुए है।

बीयू के बायोकेमिस्ट्री-जेनेटिक्स विभाग को आविष्कार के लिए मिला पेटेंट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बीयू के बायोकेमिस्ट्री और जेनेटिक्स विभाग को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय द्वारा आविष्कार के लिए पेटेंट (पेटेंट संख्या-470113) प्रदान किया गया है। यह अविष्कार दो पीएच.डी. छात्रों उत्संग कुमार और शैलजा सिंघल ने बायोकेमिस्ट्री और जेनेटिक्स विभाग की विभागाध्यक्ष व गाइड प्रोफेसर डॉ. रेखा खंडिया के मार्गदर्शन में किया है। फ्लोरोसेंट माइक्रोस्कोपी का उपयोग कोशिकाओं में विशिष्ट प्रोटीन एवं अन्य जटिल अणुओं के अध्ययन के लिए होता है। इस तकनीक से

अनेकों स्वास्थ्य संबंधित समास्याएं जैसे कैंसर, अनुवांशिक रोग, जीवाणुओं व विषाणुओं का संक्रमण का निदान, अध्ययन एवं शोध किया जा सकता है। इस तकनीक में हरे फ्लोरोसेंट रंग का उपयोग विशिष्ट प्रोटीन के उत्पादन को दर्शाने के लिए किया जाता है, जिसे फिल्टर के माध्यम से चिन्हित किया जाता है।

छात्रों के लिए यह उपयोगी : वर्तमान में फ्लोरोसेंट अणुओं को देखने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले लेकिन महंगे उपकरण उपलब्ध हैं, जिनकी ऊँची कीमत है। इस आविष्कार में गुणवत्ता होने के साथ साथ कीमत में भी काफी कम होने से वैज्ञानिक व विज्ञान के छात्रों के लिए यह काफी उपयोगी है।

विश्व मत्स्य पालन दिवस पर प्रतियोगिताएं

पारिस्थितिक संतुलन के लिए मत्स्य पालन अहम

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

कन्या महाविद्यालय में विश्व मत्स्य पालन दिवस पर जलीय जैव विविधता का संरक्षण विश्व मतस्य पालन दिवस के लिए सतत अभ्यास विषय पर पोस्टर मेंकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रिया भोजवानी के वक्तव्य से हुआ, जिसमें उन्होंने पारिस्थितिक संतुलन को बनाये रखने में मतस्य पालन की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधता द्वारा प्रदान किए गए विशाल संसाधनों, मानव जाति और उसके अस्तित्व के लिए इन सबकी उपयोगिता को विस्तार से बताया।

अंतर महाविद्यालय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं के साथ-साथ विदिशा, इटारसी के भी प्रतिष्ठित संस्थानों की लगभग 30 छात्राओं ने प्रतिभागिता की। छात्राओं ने जलीय जैव विविधता के संरक्षण का संदेश देते हुए अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने पर्यावरण चेतना के प्रति उनके समर्पण की सराहना करते हुए विजेताओं को बधाई दी।

मेट्रो एंकर | **सिंधी समाज की महिलाओं ने विश्रामघाट में सुना सत्संग**

धरती में हम मुसाफिर, एक न एक दिन ईश्वर के घर जाना है

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

महिलाएं देव उठनी ग्यारस के दिन संतनगर के विश्रामघाट में सत्संग की परंपरा है। सत्संग से पहले टेऊंराम आश्रम से महिलाएं भजन-कीर्तन करते हुए संतनगर की परिक्रमा करती हैं, लेकिन इस बार विश्रामघाट में ही सत्संग स्थल पर भजन भजन-कीर्तन हुआ, यह अनूठी परपंरा करीब चार दशक पुरानी है। सिंधी समाज की महिलाओं का हर साल देवउठनी ग्यारस पर विश्रामघाट में सत्संग होता है। साल में एक बार सिंधी समाज की महिलाएं विश्रामघाट जाती हैं। वे विश्रामघाट में उस परमात्मा को याद करती हैं, जो संपूर्ण जीव जगत का विधाता है। इस सत्संग की शुरूआत स्वामी टेऊंराम के आदेश पर हुई थी। यहां देव उठनी ग्यारस के मौके पर विधायक रामेश्वर शर्मा भजन कीर्तन में शामिल होने पहुंचे। आश्रम की दादी विद्या देवी ने उन्हें पोखर पहनकर स्वागत किया दादी विद्यादेवी ने सत्संग में कहा कि धरती पर हम सभी मुसाफिर हैं और सभी को एक न एक दिन ईश्वर के घर जाना ही है। श्मशान घाट ईश्वर के घर पहुंचने का एकमात्र द्वार है, जहां सभी महिलाएं साल में एक बार भजन-कीर्तन करने पहुंची हैं।

मन का डर मिटाने सत्संग

यहां विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि ने महिलाओं के मन का डर मिटाने और अंतकाल में क्या होना है, इसका ज्ञान कराने के लिए ही इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। विश्रामघाट पहुंची महिलाओं के साथ पुरुषों सहित छोटे बच्चे भी शामिल हुए।

मन को सुकून मिलता है

महिलाओं का कहना है कि साल में एक बार होने वाले सत्संग में आकर उन्हें जरा भी डर नहीं लगता। इसीलिए वे बच्चों को भी साथ लाकर भजन-कीर्तन में हिस्सा लेती हैं। उनका कहना था कि कई सालों से यहां भजन-कीर्तन कर रहे हैं। श्मशान में पहुंचकर उन्हें काफी शांति मिलती है।

यह रहे मौजूद: इस अवसर पर राम बंसल, मधु चंदवानी, सतीश तेलियानी, प्रताप राय तेजवानी, दयाल तोलानी, चंद्रलाल, मदन साधवानी, दयाल गोकलानी व ब?ी संख्या में महिलाएं मौजूद थीं।

हर साल ठंड के मौसम में ही होती है गिनती

जंगल के शाकाहारी, मांसाहारी वन्यप्राणियों की गिनती जल्द

...ताकि संख्या मुताबिक आहार व जल संतुलन बना रहे

भोपाल, दोपहर मेट्रो। मप्र में टाइगर रिजर्वों में शाकाहारी व मांसाहारी वन्यप्राणियों की गिनती जल्द शुरू होने वाली है। इसके लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने का काम शुरू कर दिया है। यह गिनती प्रति वर्ष ठंड के समय में की जाती है, जिसका मकसद खाद जल का संतुलन बनाए रखना होता है। साथ ही रिजर्ववार यह भी पता करना होता है कि कि वन्यप्राणियों की आबादी कितनी है और और इसका संतुलन किस तरह बनाकर रख सकते हैं।

असल में यह गिनती बाघों की गिनती से बिल्कुल भिन्न होती है। इसके आंकड़े जारी नहीं किए जाते और न ही इस पर सीधे एनटीसीए नजर रखता है। यह गिनती पूरी तरह रिजर्वों को अपनी निगरानी में करानी होती है, जो केवल सात दिन तक चलती है। इसमें जंगल में मिलने वाले वन्यप्राणियों के साक्ष्यों को शामिल करना पड़ता है। जैसे बाघों के मल, मूत्र से जुड़े साख्य, उनके पगमार्क, उनके द्वारा किए जाने वाले शिकार के अवशेष, उनकी आवाज आदि। यह गिनती पूरी तरह मैदानी वनकर्मियों द्वारा की जाती है लेकिन रिजर्व अपनी सुविधा के अनुसार ट्रैप कैमरे की भी मदद लेते हैं।

प्रदेश में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, कान्हा, पेंच, संजय डुबरी, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व है। यह गिनती इन्हीं रिजर्वों में होगी। सामान्य वन मंडल व बफर में यह गिनती नहीं की जाएगी। मप्र वन्यप्राणी विभाग से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि दिसंबर के पहले सप्ताह से लेकर जनवरी माह के अंत तक कभी भी यह गिनती करनी होती है। मैनुअली गिनती का काम केवल एक सप्ताह चलता है और ट्रैप कैमरे के आधार पर जुटाए जाने वाले साक्ष्यों को एक माह तक जुटाते हैं।

पौधरोपण में लापरवाही, 10 हजार पौधे जंगल में फेंके!

वन विभाग में पौधारोपण में गड़बडियां या लेतलाली की बातें यूं तो कई बार उभरती रही हैं लेकिन अब खरगोन में बड़ी गडबडी विभाग के भीतर चर्चा का सबब है। यहां एसडीओ की रिपोर्ट पर डीएफओ कार्रवाई नहीं कर रहें है। अब मामला भोपाल मुख्यालय में सरगोशी कर रहा है। बताते हैं कि एसडीओ ने रिपोर्ट में दस्तावेज और

फोटो संलग्न किए हैं। कहा जाता है कि वर्तमान डीएफओ सागर में पदस्थ है तो वहां वृक्षारोपण की गड़बड़ी की जांच अभी भी झेल रहे हैं। यह मामला खरगोन वन मंडल के भीकनगांव रेंज का है। एसडीओ ने रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि 10 हजार से अधिक पौधे जंगल में फेंक दिए गए जिनका प्लांटेशन नहीं किया गया। प्लांटेशन के लिए खोदे गए गड्ढे के पास खाद और मिट्टी का ढेर लगा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि फर्जी और घटिया काम के प्रमाणकों को पास करने के लिए दबाव बनाया जाता है। बताया जाता है कि यह डीएफओ प्रशांत कुमार सागर दक्षिण में पदस्थित है तब वनीकरण क्षतिपूर्ति के तहत किए गए वृक्षारोपण में भी इसी तरीके की धांधली पाई गई थी।

प्रचार में प्रशासक

राजस्थान में चुनाव प्रचार के दौरान मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को एक युवती ने उनका ही चित्र सौंपा।

एनपीएस में जमा पैसे में गड़बड़ी को लेकर फिर सीएम से गुहार

साढ़े चार लाख कर्मचारियों का मामला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र में साढे चार लाख एनपीएस धारक कर्मचारियों के वेतन से पिछले 10 सालों में काटी गई करोड रुपए की राशि को लेकर एनपीएस संचालित करने वाली एनएसडीएल कंपनी पर लगातार गड़बड़ी के आरोप लगा रहे हैं। अब मप्र कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री को फिर पत्र लिखकर इस मामले में कार्रवाई की मांग की है।

दरअसल गत वर्ष मार्च में भी इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री से जांच व एक्शन का अनुरोधा किया गया था। तब पुलिस मुख्यालय ने शिकायत क्रमांक 50 15 /22 दिनांक 12 अप्रैल 2022 में पंजीबद करके शिकायत की जांच का जिम्मा भोपाल क्राइम ब्रांच को दिया था। बताया जाता है कि क्राइम ब्रांच के अफसरों ने पुलिस मुख्यालय मंच के अध्यक्ष अशोक पांडे को बुलाकर दो बार बयान भी लिए थे और शिकायतकर्ता को आश्वासन दिया था कि क्राइम ब्रांच एनपीएस योजना को संचालित करने वाली एनएसडीएल के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करेगी। अब पांडे का कहना है कि डेढ़ वर्ष निकल जाने के बाद भी क्राइम ब्रांच भोपाल ने एनपीएस योजना में जमा पैसे में की गई करोड़ों रुपए की गड़बड़ी की शिकायत की जांच पूरी नहीं की है। लिहाजा मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर मांग फिर मांग की गई है कि जांच तत्काल पूरी कराई जाए।

यह है मामला व आरोप

बताया जाता है कि पुरानी पेंशन योजना ओपीएस को बंद करने के बाद 05 के बाद नियुक्त शासकीय कर्मचारियों के लिए नई पेंशन योजना एनपीएस योजना के तहत 2013 से एनपीएस धारक कर्मचारियों के वेतन से प्रतिमाह 10न राशि काटी जा रही है तथा सरकार भी 14 प्रतिशत राशि एनपीएस धारक कर्मचारियों के एनपीएस खाते में जमा कर रही है। लेकिन एनएसडीएल कंपनी एनपीएस धारक कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर ना तो जमा पैसे का पूर्ण हिसाब दे रही है और ना ही जमा पूर्ण पैसा लौटा रही है। आरोप है कि कर्मचारी के एनपीएस में जमा पैसे को एनएसडीएल कंपनी शेयर बाजार में लगा देती है और जब शेयर बाजार में नुकसान होता है तो कर्मचारी के जमा पैसे में से नुकसान के नाम पर लाखों रुपए की कटौती कर लेती है।

कलेक्टर की निष्पक्षता पर शंका

भोपाल। विधानसभा मे नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविन्द सिंह ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भिण्ड संजीव श्रीवास्तव की निष्पक्षता पर संदेह उठाते हुए उन्हें मतगणना की प्रक्रिया से अलग रखने की मांग की है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन से मुलाकात करके कहा कि भिण्ड कलेक्टर शुरू से ही चुनाव को प्रभावित करने और भाजपा के एजेन्ट के रूप में काम कर रहे है। डॉ. सिंह ने बताया कि भिण्ड कलेक्टर मतदान के दिन वे केवल लहार विधानसभा क्षेत्र में पूरे दिन घूमते रहे ।

कॉलेज स्टूडेंट्स को मिलेगी फ्री ट्रेनिंग, आज से शुरू होगा ऑनलाइन वेबिनार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा प्रदेश के कॉलेजों के स्टूडेंट्स को आईआईटी दिल्ली के माध्यम से फ्री ट्रेनिंग देगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शुरू किए गए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी एवं कम्प्यूटर विजन (एआरवीआर) जैसे विषयों में पढ़ रहे स्टूडेंट्स के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उक्त कोर्सों के क्षेत्र में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित किये गए हैं, जिसमें राज्य के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम को लेकर शुक्रवार को ऑनलाइन एक वेबिनार आयोजित किया जा रहा है। इसमें आईआईटी दिल्ली द्वारा प्रशिक्षण की जानकारी दी जाएगी। राज्य के सभी शासकीय व निजी इंजीनियरिंग कालेज इस वेबिनार में शामिल होकर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वेबिनार में तकनीकी शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव व कौशल विकास की संचालक शीतला पटले उपस्थित रहेंगे।

तकनीकी शिक्षा

1000 रुपए एडमिशन डिपोजिट

प्रदेश के छात्र-छात्राओं को प्रत्येक कोर्स के लिए 1000 रुपए एडमिशन डिपोजिट के रूप में जमा करने होगें, जो प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर छात्र को वापस कर दिए जाएंगे। प्रशिक्षण के उपरांत आईआईटी दिल्ली व मप्र कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड द्वारा संयुक्त प्रमाण पत्र दिया जायेगा। आईआईटी दिल्ली को प्रत्येक कोर्स के लिए प्रति छात्र 18,900 रुपए का भुगतान तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के द्वारा भारत सरकार की संकल्प स्कीम के अंतर्गत किया जायेगा।

शासकीय स्वशासी और निजी आयुष महाविद्यालयों में काउंसिलिंग कार्यक्रम

भोपाल दोपहर मेट्रो। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग और राष्ट्रीय हौम्योपैथी आयोग से अनुमति प्राप्त शासकीय शासकीय स्वशासी और निजी आयुष महाविद्यालयों में एमपी ऑनलाइन के माध्यम से काउंसिलिंग की कार्यवाही की जा रही है। इसके लिये आयुष विभाग ने कार्यक्रम निर्धारित कर लिया है।

हालांकि काउंसिलिंग की कार्यवाही 16 नवम्बर से आरंभ हो चुकी है। अब आयुष महाविद्यालयों में रिक्त सीटों की स्थिति का प्रदर्शन आज किया जायेगा। इसके बाद इसी दिन मेरिट सूची का प्रकाशन और पात्रताधारी अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा। काउंसिलिंग कार्यक्रम के अनुसार अभ्यर्थी महाविद्यालयों की प्राथमिकता क्रम का निर्धारण (च्वाइस फिलिंग) 25 से 27 नवम्बर तक की जा सकेगी। महाविद्यालयवार मेरिट सूची प्रकाशन (1×10) के आधार पर 28 नवम्बर को प्रात:8 बजे होगी।

आज सामने आयेगी रिक्त सीटों की जानकारी

मेट्रो एंकर | **टूरिज्म बोर्ड ने फिल्म महोत्सव (IFFI) में की सहभागिता**

'फिल्मी सेट की तरह आकर्षक है चंदेरी'

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में अपने शूटिंग अनुभव साझा करते हुए मशहूर कलाकार पंकज त्रिपाठी ने कहा कि लगता है जैसे चंदेरी शहर को 400-500 साल पहले फिल्म शूटिंग के उद्देश्य से ही बनाई गया हो। सब कुछ एक आकर्षक फिल्म सेट की तरह बनाया गया है, जहां लोग रहते हैं। सुंदर आर्किटेक और अच्छे लोग। काफी आत्मीय स्वागत होता है और आनंद आता है। उन्होंने फिल्म शूटिंग प्रणाली और व्यवस्थाओं को सहज बनाने के लिए पर्यटन और संस्कृति प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला को धन्यवाद भी दिया। पंकज त्रिपाठी चंदेरी में स्त्री, सुई धागा, जनहित में जारी नामक फिल्म कर चुके है।

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के दौरान प्रमुख सचिव शुक्ला ने पंकज त्रिपाठी, राज कुमार संतोषी, विजय सेतुपति, दिव्या दत्ता सहित कई अन्य प्रसिद्ध बॉलीवुड कलाकारों, फिल्मकारों, निर्माता-निर्देशकों से मुलाकात कर प्रदेश में फिल्म निर्माण के लिए आमंत्रित किया।

उल्लेखनीय है कि हर वर्ष ही भांति इस वर्ष भी ,मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड ने गोवा में चल रहे 54वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (ढ्ढस्रस्रढ्ढ) में भाग लिया। बोर्ड ने फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हितधारकों को प्रदेश में फिल्म शूटिंग के लिए प्रोत्साहित करने और फिल्म टूरिज्म पॉलिसी के तहत दी जाने वाली सुविधाओं, रियायतों से अवगत कराने हेतु ÷मध्य प्रदेश में फिल्म निर्माण को बढ़ावा देना- शासन की पहल और हितधारकों की भूमिका÷ विषय पर एक नॉलेज सीरीज भी आयोजित की। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में पंकज त्रिपाठी, एक्ट्रेस वाणी त्रिपाठी, फिल्म निर्माता एवं लेखक अमित राय शामिल हुए।

■ पंकज त्रिपाठी हुए मुरीद

मध्यप्रदेश फिल्म पॉलिसी की खास बातें

- फिल्म परियोजनाओं की अनुमतियां लोक सेवा गारंटी अधिनियम में शामिल है। 15 कामकाजी दिवसों में फिल्म शूटिंग की अनुमति का प्रावधान है।
- जिला स्तर पर फिल्म पर्यटन नीति क्रियान्वित करने के लिए प्रत्येक जिले में ADM स्तर के अधिकारी को फिल्मांकन अनुमति हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त हैं।
- सभी फिल्मांकन अनुमतियों के लिए सिंगल विंडो क्लीयरेंस की सुविधा है।

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो
अपने कारोबार-उत्पाद को आगे बढ़ाएं दोपहर मेट्रो के साथ

विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
प्रधान कार्यालय 182 - ए शाहपुरा (मनीषा मार्केट के पास) भोपाल
फोन नं.- 0755-4917524, 0755-2972022

I iknd h;

बेकसूर लोगों की जान जाना दुर्भाग्यपूर्ण...

जंग का रूक जाना या खत्म हो जाना ही सबसे बेहतर होता है, लेकिन बीते डेढ़ महीने में इजराइल और हमास के बीच जंग में जो तबाही देखी गई है, वह फिलहाल की सबसे बड़ी राहत है और उम्मीद बंध रही है कि यह राहत स्थाई तौर पर आगे बढ सकती है। हमास-इस्राइल जंग में पांच दिन का विराम आज से शुरू हो रहा है। इस्राइली संसद ने बुधवार को युद्धविराम के समझौते को मंजूरी दे दी है। हालांकि इस बीच इस युद्ध के कारण गाजा में 14,हजार से ज्यादा नागरिक मारे जा चुके हैं और तीन हजार लोग लापता हैं। इन लापता लोगों में अधिकांश के मलबों के नीचे आने की बात कही जा रही है, जिसका मतलब यह है कि लाशें भले न मिली हों, लेकिन उनके जिंदा बचे होने की कोई संभावना नहीं रह गई है। इतने बड़े नुकसान की कीमत पर हासिल यह युद्धविराम भी अस्थायी है। इसकी मियाद महज पांच दिनों की है। इस दौरान हमास 50 बंधकों को रिहा करेगा जिनमें महिलाएं और बच्चे होंगे। बदले में इस्राइल की जेलों में बंद 150 फलस्तीनी छोड़े जाने हैं। जाहिर है, इस युद्धविराम को संभव बनाने वाला सबसे बड़ा कारक वे 240 लोग हैं, जिन्हें 7 अक्टूबर के आंतकवादी हमले में हमास के हमलावर बंधक बना ले गए थे। इनमें इस्राइल के साथ 40 देशों के नागरिक शामिल हैं। इनकी सुरक्षित रिहाई का दबाव अलग-अलग देशों की सरकारों पर है। खुद इस्राइल में भी नेतन्याहू पर इसका दबाव लगातार बढ़ता जा रहा था। अगर इस समझौते से जुड़े तमाम पहलुओं पर सही ढंग से अमल हुआ तो न केवल दोनों तरफ से 2सौ लोग कैद से मुक्त होंगे बल्कि गाजा में चौबीसो घंटे बमों की बारिश झेल रहे लोग भी चार दिनों के लिए ही सही, पर राहत महसूस करेंगे। इस बीच उनके लिए मानवीय सहायता भी पहुंचेगी और ईंधन की कमी के चलते बंद पड़े अस्पताल दोबारा शुरू हो पाएंगे। अफसोस और चिंता की बात यह होगी इन सबके पीछे यह भाव लगातार काम करता रहेगा कि यह राहत सिर्फ चार पांच दिनों के लिए है। इसके ठीक बाद फिर वही हालात बन जाने हैं। हालांकि इजराइल ने कहाै कि यदि हमास रोज दस बंधकों को और छोडता रहेगा तो युध्दविराम एक एक दिन के लिये बढाया जाता रहेगा। हालांकि यह भी मतलब है कि हमास और इस्राइल दोनों पक्ष इस अवधि का इस्तेमाल अपनी तैयारियों को मजबूती देने के लिए करेंगे। ताकि चार दिन के बाद और विनाशकारी युद्ध को अंजाम दे सकें? सारी संभावनाएं इसी ओर इशारा कर रही हैं। हालांकि ध्यान रहे, 50 बंधकों की रिहाई के बाद भी करीब 190 बंधक हमास के कब्जे में होंगे। इसी बात को ध्यान में रखते हुए इस्राइल ने कहा है कि वह इस अवधि के समाप्त होने के बाद भी हर दस बंधकों की रिहाई के बदले युद्धविराम को एक-एक दिन बढ़ाता रह सकता है। किसी भी उपाय से अगर युद्धविराम लंबा खिंचता है तो यह एक अच्छी बात होगी, लेकिन इसे काफी नहीं माना जा सकता। क्योंकि रूस व यूक्रेन का युध्द का अनुभव सामने है जब कई देशों के दबाव के बाद भी दोनों तरफ से जंग जारी है। सवाल है कि इजराइल 19 दिनों में सभी बंधकों के रिहा होने के बाद क्या करेगा? जरूरत सिर्फ अपने लोगों को सुरक्षित निकालने की नहीं, यह समझने की है कि किसी भी तरफ के बेकसूर लोगों की जान जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसलिए हमास के खात्मे के नाम पर गाजा में हो रहे जान-माल के नुकसान पर स्थायी रोक लगनी चाहिए। दुनिया के तमाम प्रभावशाली देशों को इसके लिये पहल को मजबूत बनाना होगा।

सियासत - पसमांदा पर विपक्ष की चुप्पी के मायने, कुलीन मुस्लिमों की तुष्टिकरण नीति से बढ़ी राजनीतिक असमानता

शिव शरण शुक्ला

हाल ही में बिहार सरकार द्वारा जारी जाति सर्वेक्षण के नतीजों से कुलीन मुसलमानों के तुष्टिकरण की बू आती है, क्योंकि शेखोरा, ठकुराई और कुलैया मुस्लिम समूहों जैसी कई अगड़ी मुस्लिम जातियों को अत्यंत पिछड़ी जाति (ईबीसी) श्रेणी में शामिल किया गया है। मसलन, कुलेया मुसलमान अप्रवासी मुसलमानों के वंशज है, जो मुगलों के साथ भारत आए थे।

नवगठित 'इंडिया' गठबंधन में शामिल विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा द्वारा पसमांदा मुसलमानों से संपर्क स्थापित करने पर चुप्पी साध रखी है। भाजपा की ओडिशा, हैदराबाद और नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठकों में और हाल ही में भोपाल में, पसमांदा मुसलमानों के लिए प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावों पर बहुत कुछ लिखा गया, लेकिन विपक्ष की चुप्पी का अब तक विश्लेपण नहीं किया गया है।

हाल ही में बिहार सरकार द्वारा जारी जाति सर्वेक्षण के नतीजों से कुलीन मुसलमानों के तुष्टिकरण की बू आती है, क्योंकि शेखोरा, ठकुराई और कुलैया मुस्लिम समूहों जैसी कई अगड़ी मुस्लिम जातियों को अत्यंत पिछड़ी जाति (ईबीसी) श्रेणी में शामिल किया गया है। मसलन, कुलेया मुसलमान अप्रवासी मुसलमानों के वंशज है, जो मुगलों के साथ भारत आए थे। इससे न केवल पचित पसमांदा समूह, बल्कि कई हिंदू ईवीसी भी इस श्रेणी का लाभ पाने पाने से से वंचित हो सकते हैं।विपक्ष की यह चूक और पसमांदा मुद्दे पर उनकी चुप्पी आश्चर्यजनक है, क्योंकि यह मुद्दा कई कारणों से गहरे निहितार्थ रखता है। सबसे पहले, विपक्ष की राजनीति भाजपा को 'मुस्लिम विरोधी' करार देने के इर्द-गिर्द घूमती है। दूसरा, विपक्षी दल मुस्लिम वोटों के लाभार्थी रहे है। तीसरा, पसमांदा मुद्दा मुस्लिम समुदाय के भीतर सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाने की कुंजी है। चौथा, इसका उद्देश मुस्लिम समुदाय के राजनीतिक व्यवहार में बदलाव लाना है। पांचवां, यह उस धुरी का प्रतिनिधित्व करता है, जिसके जरिये भाजपा मुसलमानों से जुड़ने की कोशिश कर रही है। छठा, यह मुस्लिम राजनीति में दुर्लभ घटना है, जिसमें एक उप-समूह, न कि मुस्लिम गुट सुर्खियों में है।

भारत में मुसलमानों को तीन प्रमुख वर्गों में बांटा गया है-अशरफ, अजलाफ और अरजाल-जो अगड़े, पिछड़े और अत्यंत पिछड़े के अनुरूप हैं। पसमांदा, बाद के दो हाशिये के समूहों के लिए एक व्यापक शब्द है, जिसमें 40 से अधिक जातियां हैं और जिनमें लगभग 4/5वां हिस्सा मुस्लिम जनसंख्या शामिल है। शेष मुस्लिम आबादी यानी 1/5वां हिस्सा अशराफ का प्रतिनिधित्व करती है। पर अल्पसंख्यक अशराफ को असंगत रूप से उच्च राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रदान करके विपक्ष ने मुसलमानों को सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को बढ़ा दिया है। हालिया रुझान इसे साबित करते हैं। लोकसभा में 25 मुस्लिम सांसदों में से 18 अशराफ और सात पसमांदा हैं। उत्तर प्रदेश में जहां पसमांदा की आबादी 65-70 फीसदी है, पिछले लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के केवल एक चौथाई और कांग्रेस के नौवां हिस्सा मुस्लिम उम्मीदवार पसमांदा थे। बिहार में, जहां पसमांदा आबादी सबसे ज्यादा है, वहां महागठबंधन के ज्यादातर मुस्लिम विधायक अशराफ हैं। इसके विपरीत भाजपा ने हाल में पसमादाओं की अधिक समावेशिता प्रदर्शित की है।

उत्तर प्रदेश में 2023 के शहरी स्थानीय निकाय चुनाबों में भाजपा के कुल 395 मुसलमान उम्मीदवारों में से 299 पसमांदा थे। 61 विजयी मुस्लिम उम्मीदवारों में से 51 पसमांदा वर्ग के हैं। यूपी विधान परिषद में सरकार के दो नवीनतम उम्मीदवार पसमांदा हैं। अशराफ का वर्चस्व विपक्षी दलों के एजेंडे में शामिल मुद्दों में भी दिखता है। इस से पता चलता है कि केंद्र में कांग्रेस, यूपी में एसपी और बंगाल में टीएमसी के शासनकाल में मुस्लिम पर्सनल लॉ, बाबरी मस्जिद, मस्जिदों को राज्य संरक्षण आदि के मुद्दों का राजनीतिकरण क्यों किया गया। भाजपा का दृष्टिकोण अलग है, क्योंकि वह 'भेदभाव के विना विकास' के मुद्दे पर मुसलमानों के साथ जुड़ने का विकल्प चुन रही है। उदाहरण के लिए, स्वच्छ भारत अभियान के तहत, उत्तर प्रदेश में मुस्लिम लाभार्थियों की संख्या 22 फीसदी थी, जबकि उनकी आवादी 18 फीसदी है। कई पसमांदा जातियां कम वेतन वाले व्यवसायों में लगी हुई हैं, जैसे बुनकर (अंसारी), प्रिंटर (दर्जी छिपी), कॉटन कार्डर्स (मंसूरी) आदि, जो पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थी हैं। इससे पता चलता है कि पसमांदा के मुद्दों पर विपक्ष की चुप्पी जानबूझकर है। पसमांदा लोग विकल्प तलाश रहे हैं। इस पृष्ठभूमि में, भाजपा को मुस्लिम समुदाय में पैठ बनाने का अवसर महसूस हो रहा है। 2024 के आम चुनाव से पता चलेगा कि टोनों छोर मिलते हैं या नहीं।

__साभार :__ लेखक अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और उत्तर प्रदेश विधानसभा के नामित सदस्य हैं, यह उनके अपने विचार है।

50 साल से सिर्फ छह नेता बने हैं सीएम तीन को केंद्र कर चुकी बर्खास्त

कड़ी मेहनत को केवल कड़ी मेहनत से ही हराया जा सकता है।

राजस्थान की राजनीति का दिलचस्प इतिहास

राजस्थान में चुनाव सीधे तौर पर कांग्रेस और भाजपा के बीच रही है। 1998 से अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनते रहे हैं।

क्षेत्रफल के लिहाज से राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है। लेकिन राज्य के मुख्यमंत्रियों की ?हरिस्त बड़ी नहीं है। पिछले 33 सालों में राजस्थान में केवल तीन नेता (भैरों सिंह शेखावत, अशोक गेहलोत और वसुन्धरा राजे) मुख्यमंत्री हुए हैं। 50 वर्षों की सूची देखें तो यह संख्या छह (इसमें हीरा लाल देवपुरा को नहीं गिना गया है, जिनका कार्यकाल केवल 15 दिनों का था) हो जाएगी। दिलचस्प यह भी है कि राज्य में कई बार त्रिशंकु विधानसभा के हालात बने लेकिन सरकार बनाने में हमेशा सबसे बड़ी पार्टी ही कामयाब हुई।

राजस्थान में भाजपा और कांग्रेस का ही शासन रहा, बावजूद इसके राज्य में समय-समय पर नए-नए राजनीतिक दलों का उदय हुआ। 1993 में भाजपा के भैरों सिंह शेखावत के मुख्यमंत्री के रूप में लौटने के बाद से राज्य की सत्ता हमेशा कांग्रेस और भाजपा के बीच बदलती रही है। वर्तमान में राजस्थान में विधानसभा की 200 सीटें हैं। इनमें से 34 अनुसूचित जाति और 25 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। लोकसभा की 25 सीटें हैं, जिसमें से तीन एससी और चार एसटी के लिए आरक्षित हैं। राज्य से राज्यसभा के लिए 10 सांसद भेजे जाते हैं। राजस्थान का राजनीतिक इतिहास बताता है कि राज्य की तीन चुनी हुई सरकारों को केंद्र सरकारों ने समय-समय पर बर्खास्त किया। पहली बार ऐसा प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई सरकार ने किया। आपातकाल के बाद बनी केंद्र सरकार का नेतृत्व करते हुए देसाई ने साल 1977 में राजस्थान की हरदेव जोशी सरकार (कांग्रेस) को बर्खास्त कर दिया था। भैरों सिंह शेखावत के साथ यह दो बार हुआ। 1980 में इंदिरा गांधी ने उन्हें पद से बर्खास्त किया और 1992 में बाबरी विध्वंस के बाद पीवी नरसिम्हा राव ने।

तीसरी पार्टियों का कितना जोर?: राज्य में समय-समय पर तीसरी राजनीतिक ताकत का उभार होता रहा है। कई प्रभावशाली गैर-कांग्रेस, गैर-भाजपा नेता उभरे। लेकिन ये ज्यादा दिन तक छाए नहीं रहे। या तो वे राजनीति से गायब हो गए, या दो प्रमुख दलों में से किसी एक में शामिल हो गए। सी राजगोपालाचारी की स्वतंत्र पार्टी ने 1962 में 176 सदस्यीय विधानसभा में से 36 सीटें और 1967 में 184 में से 48 सीटें जीतीं। 1990 के दशक तक, जनता दल में कल्याण सिंह कालवी, देवी सिंह भाटी और राजेंद्र सिंह राठौड़ जैसे कई महत्वपूर्ण नेता थे। राठौड़ अब विधानसभा में भाजपा के विपक्ष के नेता हैं। जगदीप धनखड़ जो जनता दल से कांग्रेस और अंत में भाजपा में गए थे, अब भारत के उपराष्ट्रपति हैं। 2018 में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के छह विधायक थे, बाद में ये सभी कांग्रेस में शामिल हो गए।

राजस्थान के मुख्यमंत्री: राज्य में चुनाव सीधे तौर पर कांग्रेस और भाजपा के बीच रही है। 1998 से अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे बारी-बारी से मुख्यमंत्री बनते रहे हैं। राज्य में गहलोत अपनी पार्टी का चेहरा रहे हैं। सचिन पायलट के अलावा उनका कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं है। दूसरी तरफ वसुंधरा राजे हैं जो तत्कालीन उपराष्ट्रपति शेखावत और दिवंगत प्रमोद महाजन के आशीर्वाद से 2003 में पहली बार मुख्यमंत्री बनी थीं। तब से वह राज्य में भाजपा की सबसे बड़ी नेता बनी हुई हैं, भले ही उन्हें पिछले पांच वर्षों में व्यवस्थित रूप से दरकिनार कर दिया गया है। बतौर मुख्यमंत्री सबसे लंबा कार्यकाल कांग्रेस के मोहन लाल सुखाड़िया का रहा है। वह 16 साल और 6 महीने से अधिक समय तक सेवा में रहे। इसके बाद नंबर आता है गहलोत का, जो तीन बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं। दो कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा कर चुके हैं। तीसरा भी पूरा होने वाला है। शेखावत और वसुंधरा दोनों ने 10-10 साल से अधिक समय तक सेवा की है। पहले हरिदेव जोशी और एचएल देवपुरा क्रमशः 6 साल से अधिक और 5 साल से अधिक समय तक सीएम रहे थे। सुखाड़िया, गहलोत, शेखावत और वसुंधरा ने मिलकर 51 साल से अधिक समय तक राज्य पर शासन किया है।

किस जाति के कितने मुख्यमंत्री बने?: गहलोत ओबीसी माली हैं। वसुंधरा का जन्म एक मराठा के रूप में हुआ था, जिनकी शादी जाटों के एक शाही परिवार में हुई थी और उनकी बहू गुज्जर समुदाय से हैं। हालांकि, राजस्थान में वसुंधरा सहित प्रत्येक राजा को 'राजपूत' माना जाता है। आजादी के बाद से राज्य के 14 मुख्यमंत्रियों में से पांच ब्राह्मण, दो वैश्य (सुखाड़िया और देवपुरा), एक कायस्थ (शिव चरण माथुर), एक मुस्लिम (बरकतुल्ला खान), और एक राजपूत (शेखावत) रहे हैं। राज्य ने नाथूराम मिर्धा, रामनिवास मिर्धा और परसराम मदेरणा जैसे प्रमुख जाट नेताओं को देखा है, लेकिन कोई भी जाट कभी सीएम नहीं रहा।

- साभार

निशाना

लटक रही तलवार ?

हो सकते हैं गिरफ्तार ।
लटक रही तलवार ?
है आई आवाज और ।
ख़बर बार बार
देखना अब होगा ।
है क्या हालचाल ।।
फंस जाएंगे उसमें ?
है फेंका जो जाल ।।
है हलचल चहुंओर ।
चल रही पड़ताल ।।
पर आए ना सामने ।
बड़ा है सवाल ।।
कौन सही कौन ग़लत ?
पर्दा हटने वाला ।।
सही कितना बोल रहा ।
अपना ये रखवाला ।।

- कृष्णेन्द्र राय

आज का इतिहास

- **1227** पोलैंड के हाई ड्यूक लेसज़ेक द व्हाइट की पेस्ट ड्यूक के शिकार के दौरान हत्या कर दी गई थी।
- **1434** लंदन में टेम्स नदी का पानी केतुडको रूप में जम गया।
- **1542** एंग्लो-स्कॉटिश युद्ध-इंग्लैंड ने सॉल्व मॉस युद्ध में अपनी जीत के साथ लगभग 1200 स्कॉटिश कैदियों को पकड़ लिया।
- **1832** दक्षिण कैरोलिना ने अधिसूचना अध्यादेश पारित किया
- **1859** प्रजाति की उत्पत्ति पर ब्रिटिश प्रकृतिवादी चार्ल्स डार्विन द्वारा पहली बार प्रकाशित किया गया था, और इसका प्रारंभिक प्रिंट रन पहले दिन बेचा गया था।
- **2006** में आज ही के दिन पाकिस्तान और चीन ने मुक्त व्यापार क्षेत्र संधि पर साइन किए थे।
- **1999** में 24 नवंबर के दिन ही एथेंस में संपन्न विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में भारत की कुंजुरानी देवी ने रजत पदक जीता था।
- **1998** में आज ही के दिन एमाइल लाहौद ने लेबनान के राष्टपति पद की शपथ ली थी।
- **1988** में 24 नवंबर के दिन ही दल बदल कानून के तहत पहली बार लोकसभा सांसद लालदूहोमा को अयोग्य बता दिया गया था।
- **1986** में आज ही के दिन तमिलनाडु विधानसभा में पहली बार एक साथ विधायकों को सदन से निष्कासित किया गया था।
- **1966** में 24 नवंबर के दिन ही कांगो की राजधानी किंसासा में पहला टीवी स्टेशन खुला था।
- **1926** में आज ही के दिन प्रख्यात दार्शनिक श्री अरविंदो को पूर्ण सिद्धि की प्राप्ति की थी।
- **1871** में 24 नवंबर के दिन ही नेशनल राइफल एसोसिएशन (एनवाईसी) का गठन था।
- **1859** में आज ही के दिन चार्ल्स डार्विन की 'आन द ओरिजिन आफ स्पेशीज' का प्रकाशन हुआ था।
- **1955** में आज ही के दिन इंग्लैंड के पूर्व टेस्ट कप्तान और अब कमेंटेटर इयान बॉथम का जन्म हुआ था।
- **1944** में 24 नवंबर के दिन ही प्रसिद्ध अभिनेता और फ़िल्म निर्देशक अमोल पालेकर का जन्म हुआ था।
- **1899** में आज के दिन ही प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ तथा राजस्थान के प्रथम मुख्यमंत्री हीरा लाल शास्त्री का जन्म हुआ था।
- **1881** में 24 नवंबर के दिन ही भारत के स्वाधीनता सेनानी तथा राजनेता छोटूराम का जन्म हुआ था।
- **2003** में आज ही के दिन हिंदी फिल्मों की मशहूर कॉमेडियन उमा देवी खत्री का निधन हुआ था।

खेती में प्रयोग होने वाले उर्वरक किसानों को अनुदान पर उपलब्धः उप संचालक कृषि

दावा: जिले में यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता किसानों के हित में हो रहा पीओएस का उपयोग

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

खेती में प्रयोग होने वाले उर्वरक किसान भाईयों को अनुदान पर उपलब्ध है। उप संचालक कृषि नर्मदापुरम ने उक्ताशय की जानकारी देते हुए बताया है कि डीएपी पर लगभग 3264 रूपए प्रति क्विंटल, यूरिया पर 3190 प्रति क्विंटल अनुदान रहता है। यह अनुदानित उर्वरक केवल किसानों के लिए है, इसका औद्योगिक या गैर कृषि कार्यो में संभावित उपयोग और कालाबाजारी को रोकने के लिए प्वाइंट आफ सेल अर्थात पीओएस उपकरण के माध्यम से अनुदानित उर्वरक का विक्रय करना अनिवार्य है। इसके तहत किसान भाई अपना अंगूठा लगाकर अपनी पहचान दर्ज कराते है और यह तय होता है कि अनुदानित उर्वरक का अंतिम उपभोक्ता कृषक ही है।

उप संचालक कृषि ने बताया है कि प्रत्येक बिक्री प्वाइंट सेल पर पीओएस उपकरण के माध्यम से रशीद निकाली जाती है जिसमें उर्वरक की कीमत और अन्य जानकारी रहती है। विक्रेता द्वारा किसान को की गई वास्तविक बिक्री के आधार पर उर्वरक कंपनियों को अनुदान दिया जाता है। यह काम किसानों के हितों की रक्षा के लिए किया गया है। उप संचालक कृषि ने किसान भाईयो को बताया है कि विशेष रूप से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण अर्थात डीबीटी प्रणाली के क्रियाकलापों की निगरानी रखने के लिए खुदरा उर्वरक बिक्री दुकानों पर पीओएस उपकरण की स्थापना कर इसका कार्यान्वयन किया जा रहा है।

उपसंचाक कृषि नर्मदापुरम ने बताया है कि वर्तमान में जिले में पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध है। विपणन संघ डबल लॉक केन्द्रो से कृषकों को नियमित रूप से उर्वरक का विक्रय किया जा रहा है। गत 22 नवम्बर 2023 को डबल लॉक केन्द्र नर्मदापुरम से डीएपी 10.05 मे.टन, युरिया 15.705 मे.टन, कॉम्पलेक्स 1.75 अन्य 1.75 मे.टन, कुल 29.255 मे.टन, इटारसी केन्द्र से डीएपी 12.50, यूरिया 26.865, कॉम्पलेक्स 0.30 अन्य 0.80 मे.टन, कुल 40.465 मे.टन, इसी तरह से सेमरीहरंचद में डीएपी 24.75, यूरिया 85.950, कुल 110.70 मे.टन, माखन नगर में डीएपी 24.90, यूरिया 101.25, कॉम्पलेक्स 29.50 कुल 155.65 मे.टन पिपरिया में डीएपी 85.75, यूरिया 26.755, कॉम्पलेक्स 5 कुल 117.525 मे.टन, बानापुरा में डीएपी 0.05, यूरिया 82.26 कॉम्पलेक्स 3.45, अन्य 0.75, कुल 86.510 मे.टन इस प्रकार जिले में डीएपी 158 मे.टन, यूरिया 338.805, कॉम्पलेक्स 40 मे.टन, अन्य 3.3 कुल 540.105 मे.टन उर्वरक का प्वाइंट आफ सेल अर्थात पीओएस उपकरण के माध्यम से विक्रय हुआ है। उप संचालक ने बताया है कि जिले के उक्तानुसार सभी 6 डबललॉक केन्द्र से कृषकों को नियमित रूप से खाद का विक्रय सुचारू रूप से किया गया है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास नर्मदापुरम से संपर्क किया जा सकता है।

सतना में खाद का संकट, डीएपी 18-46 उपलब्ध नहीं इस आशय का पोस्टर लगा

सतना। खाद विपणन की दुकानों एवं गोदामों में चस्पा किया गया है। जिम्मेदार विभागों ने भी हाथ खींच लिये हैं। वहीं निजी दुकानों में धड़ल्ले से महंगे दाम पर बिक रही डीएपी खाद, इससे किसानों की बोनी प्रभावित हो रही है।

इस वर्ष की अंतिम नेशनल लोक अदालत 9 दिसम्बर को

सीहोर, दोपहर मेट्रो

इस वर्ष की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन 09 दिसम्बर 2023 को किया जाएगा। जिला मुख्यालय एवं तहसील न्यायालय आष्टा, नसरूल्लागंज, बुदनी एवं इछावर में वर्ष की अंतिम नेशनल लोक अदालत का आयोजन प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष अमिताभ मिश्र के निर्देशानुसार किया जाएगा।

नेशनल लोक अदालत में एनआईएक्ट धारा 138, बैंक रिकवरी प्रकरण, विद्युत, टेलीफोन, जल कर एवं सम्पत्ति कर के प्रकरण आदि प्रिलिटिगेशन प्रकरण एवं न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरण आपराधिक शमनीय प्रकरण, धारा 138 परक्राम्य लिखित अधिनियम, क्लेम प्रकरण, विद्युत और जलकर, सम्पत्ति कर के प्रकरण हिन्दू विवाह अधिनियम के अंतर्गत राजीनामा योग्य प्रकरण, भूमि अधिग्रहण सर्विस मेटर से सम्बंधित व अन्य सिविल प्रकरण आदि रखे जाएंगे। नेशनल लोक अदालत का विधिक जागरूकता शिविरों, फलेक्स बैनर एवं पैरालीगल वालेन्टियर द्वारा डोर-टू-डोर अभियान चलाकर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए न्यायाधीशों, सर्वसम्बंधित विभागों विद्युत विभाग, नगर पालिका, बैंक के अधिकारीगण, अधिवक्तागण, बीमा कम्पनी के अधिकारियों व अधिवक्ताओं के साथ बैठकों का आयोजन किया जा रहा है।

मतगणना प्रशिक्षण आज

सीहोर । विधानसभा चुनाव की मतगणना 3 दिसंबर को जिला मुख्यालय स्थित शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में होगी। मतगणना हेतु ईवीएम एवं पोस्टल बेलेट की गणना के लिए गणना पर्यवेक्षक, गणना सहायक एवं माइक्रो आब्जर्वर का चयन कर उनका प्रशिक्षण 24 नवंबर 2023 को स्थानीय कन्या महाविद्यालय सीहोर में प्रातः 11.30 बजे से आयोजित की गई है। समस्त विभाग प्रमुखों को आपके विभाग के अधिकारी, कर्मचारियो को प्रशिक्षण की सूचना प्रदान कर प्रशिक्षण में उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए कहा गया है।

स्ट्रांग रूम में सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह चालू, सभी रिकॉर्डिंग उपलब्धः जिला निर्वाचन अधिकारी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

विधानसभा निर्वाचन अंतर्गत आईटीआई नर्मदापुरम में बने स्ट्रांग रूम में सीसीटीवी/कैमरे पूरी तरह चालू है। जिनसे लगातार 24म7 गतिविधियों की रिकॉर्डिंग की जा रही है। सभी रिकॉर्डिंग उपलब्ध है। प्रतिनिधि अगर चाहे तो वह रिकॉर्डिंग भी देख सकते हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदापुरम नीरज कुमार सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्ट्रांग रूम में अलग-अलग जगह यूपीएस सिस्टम लगे हुए हैं जिनसे निर्बाध रूप से रिकॉर्डिंग की जा रही है। केवल एक स्थान पर एडॉप्टर लूज होने कारण बाहर लगा डिस्प्ले बंद हुआ था जिसे तत्काल सुधारा गया है। उन्होंने बताया कि मोबाइल चार्जर लगाने का एडाप्टर ढीला हो जाता है, जिसे अब डायरेक्ट कर दिया गया हैं। यह समस्या अब नहीं होगी।कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों के साथ आईटीआई स्ट्रांग रूम का निरीक्षण कर सीसीटीवी बंद होने की सूचना की जांच की। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी पूरी तरह चालू है, सभी गतिविधियां भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश अनुरूप संचालित की जा रही है। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी डी के सिंह भी उपस्थित रहे।

मतगणना में संलग्न अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये मतगणना 3 दिसम्बर को होगी। मतगणना कार्य के लिये गणना सहायक, माइक्रो ऑब्जर्वर व गणना सुपरवाइजर्स की नियुक्ति कर दी गई है। कलेक्टरेट कार्यालय में गुरुवार को मतगणना कार्य में संलग्न सभी अधिकारी कर्मचारियों का प्रशिक्षण दो शिफ्टों सम्पन्न हुआ। प्रथम पाली में मतगणना अधिकारियों को ईवीएम आधारित एवं द्वितीय पाली में डाक मतपत्र के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया कि मतगणना कार्य डाक मतपत्रों की गणना के साथ प्रातः 8 बजे से शुरू होगा। सभी अधिकारी कर्मचारी प्रातः 6 बजे परिचय पत्र के साथ मतगणना स्थल पर उपस्थित हो जाएं। मतगणना स्थल पर मोबाइल फोन का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। अतः मोबाइल फोन साथ लेकर न आए। उल्लेखनीय है कि मतगणना कार्य में संलग्न अधिकारियों व कर्मचारियों का 24 नवम्बर तथा 25 नवंबर को भी प्रशिक्षण आयोजित होगा। प्रशिक्षण में सभी रिटर्निंग अधिकारी, नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे सहित मतगणना में नियुक्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रावधान के उल्लंघन करने पर हो सकता है 2 वर्ष तक का कारावास

एग्जिट पोल व उसके परिणामों के प्रचार पर 30 नवम्बर तक रहेगा प्रतिबंध

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 की आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि आदर्श आचरण संहिता के दौरान 30 नवम्बर की शाम 6ः30 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126 क में यह प्रावधानित किया गया है कि कोई भी व्यक्ति कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा और किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम का ऐसी अवधि के दौरान जो निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचित की जाए, प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन या प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति से प्रसार नहीं करेगा। यदि कोई व्यक्ति प्रावधान का उल्लंघन करेगा, तो ऐसी अवधि के कारावास से जो 2 वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से, दण्डनीय होगा।

मेट्रो एंकर | इलेक्ट्रॉनिकी संसाधनो के लिए चार्जिंग पाइंट बनाए जाने के भी निर्देश

कलेक्टर ने लिया मतगणना स्थल की तैयारियों का जायजा

विदिशा, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर भार्गव ने निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी दिशा निर्देशो के अनुरूप आज पुनः स्ट्रांगरूम का निरीक्षण किया साथ ही मतगणना स्थल पर किए जा रहे प्रबंधो का भी जायजा लिया है। गौरतलब हो कि विदिशा जिले की पांचो विधानसभाओं के लिए शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेडी में स्ट्रांगरूम में बनाया गया है इसी महाविद्यालय के कक्षो में मतगणना कार्य तीन दिसम्बर को होगा। मतगणना के परिपेक्ष्य में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाइड लाइन के अनुसार किए जा रहे प्रबंधो का कलेक्टर द्वारा शुक्रवार को पुनः जायजा लिया गया है इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, विदिशा एसडीएम (आरो) क्षितिज शर्मा भी साथ मौजूद रहें।

कलेक्टर श्री भार्गव ने मतगणना परिसर के प्रमुख द्वार के समीप बनाए जा रहे मीडिया सेन्टर के लिए किए जाने वाले प्रबंधो के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश संबंधितों को दिए है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा मीडिया सेन्टर के संबंध में जारी निर्देशो का अक्षरशः पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। कलेक्टर श्री भार्गव ने मीडिया सेन्टर में दो कडी साइज की बडी एलईडी के साथ नेट कनेक्शन की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु संबंधितो को ताकिद किया है। कलेक्टर श्री भार्गव ने मीडिया सेन्टर में बैठक व्यवस्था के संबंध में आवश्यक कुर्सियां, सौफा टेबिल तथा मीडियाकर्मियों के द्वारा उपयोग किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिकी संसाधनो के लिए चार्जिंग पाइंट बनाए जाने के भी निर्देश दिए है। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के एसडीओ रवि प्रकाश चिड़ार के अलावा अन्य विभागो के अधिकारी मौजूद रहें।

मतदान की गोपनीयता भंग करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई

विदिशा । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर भार्गव ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशो के अनुसार कोई भी मतदाता मतदान की गोपनीयता को भंग नहीं करेगा, यदि कहीं कोई इस प्रकार का कृत्य करते पाए जाने पर उनके खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर श्री भार्गव ने बताया कि सिरोंज विधानसभा क्षेत्र के 17 नागरिकों द्वारा सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मो पर मतदान की गोपनीयता को भंग करने के चित्र व वीडियो अपलोड किए गए है जिसे सिरोंज विधानसभा क्षेत्र के एसडीएम व रिटर्निंग आफीसर श्री हर्षल चौधरी ने संज्ञान में लेते हुए संबंधितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की कार्यवाही संपादित कराई है। सिरोंज एसडीएम श्री हर्षल चौधरी के द्वारा उपलब्ध कराई गई एफआईआर दस्तावेंज की प्रति में जिन 17 नागरिकों के खिलाफ संयुक्त रूप से एफआईआर कराई गई है उनमें हाजी इरशाद गौरी, बृजेश विश्वकर्मा, हर्षित गोपाल शर्मा, नीरज शर्मा, कृष्णपाल यादव, अख्तर खॉन, आकाश जैन, गौरव शर्मा, रोहित साहू, अंकित सुमन, सोनू मालवीय, शिवा यादव, संजू महाराज, चन्द्रेश सैनी, राजेश यादव, महेन्द्र बघेल और राकेश शर्मा शामिल है।

देवउठनी ग्यारस पर, मंदिर और घरों में मंडप बनाकर पूजन, बजने लगी शहनाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में बड़े ही उत्साह के साथ देवउठनी ग्यारस का त्यौहार मनाया गया शाम के समय घरों पर गाना ज्वार आदि का मंडप बनाकर भगवान शालिग्राम को विराजमान करके विधि विधान से पूजा अर्चना करके देव उठाए गए भगवान कुबेर ज्वार भाजी मूंगफली आदि का भोग अर्पित किया गया मंदिरों पर भी देवउठनी ग्यारस पर विभिन्न कार्यक्रम हुए इसमें श्री छाती नाका हनुमान मंदिर पर हवन के साथ अन्य आयोजन हुए दूसरी ओर श्री मदन मोहन सरकार मंदिर पर भी देवउठनी ग्यारस पर उत्साह के साथ आयोजन संपन्न हुए। वहीं देवउठनी ग्यारस पर गाने का मंडप तैयार किया था इसके चलते शहर में बड़ी संख्या विस्तरों पर गाने की दुकानें सजी हुई थी जहां पर 10 से लेकर 25 रुपए तक का गाना उपलब्ध था गाना खरीदने वालों की भीड़ सभी जगह देखने को मिली ।आज से शहनाई की गूंज भी सुनाई देने लगी 4 महीने से शहनाई पर पाबंदी देव सोने के कारण लगी हुई थी ।

भारतीय किसान संघ ने, किसानों की समस्याओं को लेकर दिया ज्ञापन

सिरोंज। गुरुवार को भारतीय किसान संघ में किसानों की समस्याओं के संबंध में तहसीलदार को ज्ञापन देते हुए कहा कि इस बार बारिश कम होने के कारण पानी की समस्या हो रही है,बिजली वितरण कंपनी के द्वारा किसानों को 4 महीने का कलेक्शन दिया जा रहा है। जबकि पानी काम करने के कारण किसानों को इतने समय के लिए बिजली कनेक्शन की आवश्यकता नहीं है।

किसानों की परेशानी को ध्यान में रखते हुए 2 महीने का कनेक्शन उपलब्ध करवाया जाए इसके अलावा सिंचाई के लिए किसानों को 10 घंटे पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध हो अभी हालात ऐसे हैं ,कि कई किसानों को बिजली 2से 4 घंटे भी नसीब नहीं हो पा रही है। कुछ स्थानों पर बिजली वितरण कंपनी के अधिकारीयों लाइन मेनो की लापरवाही के कारण किसानों को लाइट के लिए परेशान होना पड़ रहा है। 10 घंटे की जगह पर चार-चार घंटे ही बिजली नसीब नहीं हो रही है ।इसीलिए किसानों के हित में शीघ्र ही आदेश जारी करके 2 महीने का बिजली कनेक्शन उपलब्ध करवाया और बिजली की समस्या जो उत्पन्न हो रही है ।उसको ठीक करवा कर निर्धारित 10 घंटे की बिजली सभी किसानों को उपलब्ध करवाई जाए ।इस दौरान अमृत सिंह रघुवंशी ,बदन सिंह रघुवंशी आदि किसान मौजूद थे।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य एक दिसम्बर से सुबह 8 से शाम 8 बजे तक

धान उपार्जन सप्ताह के पांच दिन होगा दो तहसीलों में एक-एक उपार्जन केन्द्र

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

समर्थन मूल्य पर जिले के दो उपार्जन केन्द्रों पर धान खरीदी कार्य एक दिसम्बर से शुरू होकर 24 जनवरी 2024 तक जारी रहेगा। कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने जिले में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य सुव्यवस्थित निर्विघ्न रूप से संपन्न हो इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

गौरतलब हो कि विदिशा जिले में एक दिसंबर से धान उपार्जन का कार्य प्रारंभ हो रहा है। जिले के दो उपार्जन केंद्रों पर खरीदी कार्य 19 जनवरी 2024 तक किया जाएगा। धान उपार्जन हेतु पंजीकृत किसानो के द्वारा विक्रय हेतु स्लाट बुकिंग का कार्य शुक्रवार 24 नवंबर 2023 से प्रारंभ होगा।

कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने बताया कि अच्छी औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) के धान का समर्थन मूल्य 2183 रूपए प्रति क्विंटल घोषित किया गया है। विदिशा जिले में धान का समर्थन मूल्य पर क्रय करने हेतु नोडल एजेन्सी विपणन सहकारी संस्था मर्यादित के द्वारा किया जाएगा। विदिशा जिले कीं दो तहसीलो में एक-एक उपार्जन केन्द्र संचालित किया जाएगा जिसमें विदिशा तहसील में स्टेट वेयर हाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स कार्पोरेशन गोदाम मेला परिसर में तथा शमशाबाद तहसील में कृष्णा न्यूट्रीमेंटस 16, महानीम चौराहा शमशाबाद में उपार्जन किया जाएगा।

धान उपार्जन कार्य सप्ताह के पांच दिन प्रातः आठ बजे से सायं आठ बजे तक किया जाएगा। तौल पर्ची सांय छह बजे तक जारी की जाएगी। सप्ताह के शेष दो दिन शनिवार एवं रविवार को शेष स्कंध का परिवहन, भण्डारण व लेखा का मिलान तथा अस्वीकृत स्कंध का अपग्रेडेशन, वापसी का

निराकरण किया जाएगा। गोदाम स्तर पर गुणवत्ता परीक्षण में पाए जाने वाले नॉन एफएक्यू स्कंध का भण्डारण उपार्जन समिति द्वारा गोदाम, केप पर नही किया जाएगा। विशेष परिस्थितियों में पांच दिवस से अधिक गोदाम, केप पर भण्डारण नहीं किया जाएगा। एफएक्यू के अनुरूप उपार्जन का दायित्व संबंधित उपार्जन केन्द्र चलाने वाली संस्था का होगा। कृषको को स्लॉट बुकिंग के माध्यम से नियत उपार्जन केन्द्र, तिथि या दिनांक को ही यथा संभव उपज लाकर तौल कराने की कार्यवाही की जाएगी ताकि केन्द्रो पर अप्रिय स्थिति निर्मित ना हो।

निम्न दस्तावेंज लावें

कृषको को अपनी उपज विक्रय के समय उपार्जन केन्द्र प्रभारी को जो दस्तावेंज जमा करने होंगे जिनका मिलान केन्द्र प्रभारी द्वारा किया जाएगा। उनमें जिन दस्तावेंजों की छायाप्रति जमा करनी है तदानुसार आधार कार्ड, बैंक पासबुक, समग्र आईडी, सिकमीदार किसानों के सिकमी अनुबंध, किसान पंजीयन पर्ची का हस्ताक्षरित प्रिन्ट आउट तथा मोबाइल एप से पंजीयन कराने वाले कृषको को खसरा ऋण पुस्तिका की छाया प्रति इत्यादि शामिल है।

पंचकुइयों घाट मंदिर से हुई दान पेटी चोरी, पुलिस को आवेदन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पंचकुइयों नदी पर स्थित घाट के मंदिर पर बीती रात्रि में मंदिर की दान पेटी चोरी होने का मामला सामने आया सुबह मंदिर पर पूजा करने वाले अनु गोस्वामी मंदिर पर पूजा पाठ करने के लिए पहुंचे तो मंदिर पर रखी दान पेटी गायब थी इसका बाद इन्होंने आसपास दान पेटी की खोजबीन की पर कहीं दान पेटी नहीं मिली फिर पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी उन्होंने पुलिस को आवेदन देते हुए कहा कि सुबह 5 बजे जब मैं मंदिर पहुंचा तो वहां पर दान पेटी नहीं थी किसी को इसकी जानकारी भी नहीं थी उन्होंने मंदिर से दान पेटी चोरी होने का आरोप लगाते हुए चोरों को पड़कर दान पेटी जपत करके कार्रवाई करने की मांग की है । दूसरी और पुलिस ने आवेदन लेकर मामले को जांच में लिया पर किसी भी तरह का कोई प्रकरण दर्ज नहीं किया है ।इसके कारण पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्न चिन्ह खड़े हो रहे हैं कि मंदिर से दान पेटी चोरी हो जाने के बाद भी पुलिस ने मामला दर्ज क्यों नहीं किया गया।

ट्रैक्टर एंबुलेंस की आमने-सामने टक्कर, एक की मौत

सिरोंज। बुधवार - गुरुवार की रात्रि में ग्राम भगवानपुर के पास में एंबुलेंस और ट्रैक्टर की आमने-सामने भिंड़त होने से एंबुलेंस चकनाचूर हो गई ।एंबुलेंस के साथ मौजूद सोनू यादव की भयंकर टक्कर होने के कारण मृत्यु हो गई एंबुलेंस के चालक बृजेश यादव गंभीर रूप से घायल हो गया है ।जिसको गंभीर अवस्था में गुना के अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पर उपचार चल रहा है ।दूसरी ओर गुना की एंबुलेंस है वहीं सिरोंज क्षेत्र का ट्रैक्टर था टक्कर के बाद ट्राली को ट्रैक्टर चालक मौके पर छोड़कर भाग गया। वही एंबुलेंस पूरी तरह से चकनाचूर हो गई है । मामला आनंदपुर थाना क्षेत्र का है पुलिस मामले ने मर्ग कायम करके मामले को जांच में लिया है।

महिला चिकित्सक क्लीनिक पर है लूट खसोट का आलम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

झोला छाप डॉक्टरों में पैसा कमाने की होड़ सी लगी दिखाई दे रही है। वही इन फर्जी चिकित्सकों के कारण मरीज और मरीज होकर शासकीय अस्पताल अथवा विदिशा, भोपाल इलाज कराने को मजबूर होना पड़ रहा है।

कार्रवाई हो तो सामने आए सच्चाई

एक महिला चिकित्सक के क्लीनिक पर ऐसे कृत्यों की भी जानकारी मिली है जो अवैधानिक है, सूत्रों से मिली जानकारी मुताविक क्लीनिक पर गर्भपात करने कराने के नाम पर वड़ी भरकम राशि बसूलने का कारोबार जारी है, लोगों का कहना है कि अगर अधिकारीगण निष्पक्षता से जांच करे , तो क्लीनिक व लोगों की कथनी उजागर हो सकती है। क्षेत्रवासियों ने पक्ष विपक्ष के नेताओं सहित संबधित अधिकारियों से इन फर्जी क्लीनिकों के संचालकों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

मेट्रो एंकर संत शिरोमणि नामदेव जी की जयंती, पर निकाला भव्य चल समारोह, जगह-जगह हुआ स्वागत

नामदेव महाराज की जयंती मनाई, पूजा अर्चना हवन हुआ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

गुरुवार को नामदेव समाज जनों ने बड़े ही उल्लास के साथ नामदेव महाराज की जयंती मनाई मंदिर पर पूजा अर्चना हवन हुआ साथ ही विशाल शोभायात्रा का आयोजन जिसका जगह-जगह विभिन्न समाज एवं समाजसेवी संगठनों ने स्वागत किया नयापुरा से चल समारोह प्रारंभ हुआ जो बस स्टैंड, कोटगेट,चांदनी चौक बाजार से होते हुए मंदिर पर पहुंच का संपन्न हुआ। वही नामदेव समाज के द्वारा भूतेश्वर पंथ स्थित नामदेव समाज मंदिर पर हवन एवं गायत्री महायज्ञ के बाद प्रसादी का वितरण किया गया आयोजन किया। नामदेव समाज के अध्यक्ष नितिन नामदेव ने बताया की संत शिरोमणि नामदेव जी का का जन्म महाराष्ट्र प्रांत के पंढरपुर में सन 1270 संत शिरोमणि नामदेव समाज के ईस्ट एवं आराध्य है ,पूरे देश में एकादशी के दिन नामदेव समाज धूमधाम से जयंती मानती है। इस दौरान बड़ी संख्या में समाज जन मौजूद थे।

साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड व ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज

अगले साल 2024 में पांच देशों की टीम से भारत के होंगे मुकाबले

नईदिल्ली, एजेंसी

एशिया कप और वनडे वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद अब द्विपक्षीय सीरीज का दौर शुरू हो चुकी है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 मैचों की टी-20 सीरीज से इसकी शुरुआत हो गई है। यहां से न्यूजीलैंड, बांग्लादेश, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और बाकी टेस्ट प्लेइंग देशों की भी सीरीज शुरू हो जाएंगी। भारत अगले 12 महीने में 4 देशों के खिलाफ कुल 15 टेस्ट खेलेगा। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दिसंबर में टेस्ट की शुरुआत होगी और अगले साल दिसंबर में ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से साल का अंत होगा। टी-20 वर्ल्ड कप के रूप में अगला आईसीसी टूर्नामेंट 6 महीने बाद जून 2024 में खेला जाएगा। उससे पहले भारत में आईपीएल मैच भी खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया से घर में 5 टी-20 की सीरीज

ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी अभी भारत में ही हैं। वर्ल्ड कप जीतने के बाद भी देश नहीं लौट रहे, क्योंकि उन्हें 23 नवंबर से टीम इंडिया के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलनी है। होने वलो मुकाबले 26 और 28 नवंबर के साथ 1 और 3 दिसंबर को होंगे। सभी मैच भारत में होंगे, इसलिए शाम 7 बजे ही शुरू हो जाएंगे, जो रात करीब 10.30 से 11 बजे तक चलेंगे। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच आखिरी टी-20 सीरीज सितंबर 2022 के दौरान भारत में ही हुई थी। तब 3 टी-20 की सीरीज को भारत ने 2-1 के अंतर से जीता था। आईसीसी का अगला वर्ल्ड कप टी-20 फॉर्मेट में 6 महीने बाद ही होगा। तब तक टीमें ज्यादा से ज्यादा टी-20 खेलकर अपनी बेस्ट टीम चुनने पर ध्यान देंगी। इसी लिहाज से भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों के लिए सीरीज अहम है। दोनों टीमें एक-एक बार टी-20 वर्ल्ड कप जीत भी चुकी हैं, इसलिए अब उनकी नजरें दूसरे खिताब पर हैं।

इंग्लैंड से घर में 5 टेस्ट खेलेंगे

इंग्लैंड टीम 3 साल भारत में टेस्ट सीरीज खेलने आएगी। इस बार सीरीज में 5 मुकाबले होंगे। 25 से 29 जनवरी को पहला टेस्ट, 2 से 6 फरवरी तक दूसरा टेस्ट, 15 से 19 फरवरी तक तीसरा टेस्ट, 23 से 27 फरवरी तक चौथा टेस्ट और 7 से 11 मार्च तक पांचवां टेस्ट मैच खेला जाएगा। भारत और इंग्लैंड के बीच आखिरी टेस्ट सीरीज अगस्त 2021 के दौरान इंग्लैंड में हुई थी। 5 टेस्ट की सीरीज 2-2 से ड्रॉ रही थी। भारत में दोनों के बीच आखिरी सीरीज फरवरी 2021 में हुई थी, 4 टेस्ट की इस सीरीज को भारत ने 3-1 से जीता था। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से दोनों ही टीमों के लिए टेस्ट सीरीज बेहद अहम है।

साउथ अफ्रीका के खिलाड़ी तीनों फॉर्मेट की सीरीज खेलेंगे

टीम इंडिया दिसंबर में साउथ अफ्रीका दौरे पर जाएगी। टीम यहां 3 टी-20, 3 वनडे और 2 टेस्ट की सीरीज खेलेगी। दौरा 10 दिसंबर से शुरू होकर 7 जनवरी तक चलेगा। 10, 12 और 14 दिसंबर को टी-20 मुकाबले होंगे। 17, 19 और 21 दिसंबर को वनडे खेले जाएंगे। 26 दिसंबर से सेंचूरियन में पहला और 3 जनवरी से केपटाउन में दूसरा टेस्ट मैच शुरू होगा। साउथ अफ्रीका और भारत के बीच आखिरी टी-20 सीरीज सितंबर 2022 के दौरान भारत में ही हुई थी। तब 3 मैचों की सीरीज भारत ने 2-1 के अंतर से जीती थी। दोनों के बीच आखिरी वनडे सीरीज पिछले साल अक्टूबर के दौरान भारत में ही हुई थी। इसे भी भारत ने 2-1 से जीता था। दोनों के बीच पिछली टेस्ट सीरीज 2021 के दौरान साउथ अफ्रीका में ही हुई थी, 3 टेस्ट में भारत को 1-2 के अंतर से हार मिली थी।

श्रीलंका और न्यूजीलैंड से घरेलू सीरीज खेलेंगे

जून 2024 में टी-20 वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद करीब एक से डेढ़ महीने तक टीम इंडिया कोई इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेलेगी। इस दौरान संभव है कि बांग्लादेश, आयरलैंड या अफगानिस्तान के खिलाफ कोई वनडे या टी-20 सीरीज हो जाए। सितंबर में टीम इंडिया श्रीलंका जाएगी, जहां उन्हें 3 वनडे और 3 टी-20 की सीरीज खेलनी है। इस दौरे का शेड्यूल अब तक तय नहीं है। श्रीलंका टीम इंडिया को पिछली 13 वनडे सीरीज से हरा नहीं सका है। दोनों के बीच आखिरी सीरीज इसी साल जनवरी में हुई थी।

अफगानिस्तान 2024 में होम सीजन खेलेगा

अफगानिस्तान और भारत के बीच 3 मैचों की टी-20 सीरीज 11 जनवरी 2024 से शुरू होगी। यह नए साल में ये टीम इंडिया की पहली ही होम सीरीज रहेगी। मोहाली, इंदौर और बेंगलुरु में 3 मुकाबले 11, 14 और 17 जनवरी को खेले जाएंगे। दोनों टीमें पहली बार ही टी-20 सीरीज में आमने-सामने होंगी। इस सीरीज में टीम इंडिया से युवा प्लेयर्स को मौका मिल सकता है। वनडे वर्ल्ड कप में 4 मैच जीतने के बाद अफगानिस्तान ने टेस्ट प्लेइंग नेशन के रूप में अपने कदम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। भारत के खिलाफ सीरीज उनके भविष्य के लिए बेहद अहम है।

चाइना मास्टर्स 2023: सात्विक-चिराग और प्रणॉय ने 16 राउंड के अपने मुकाबले सीधे गेम में जीते

क्वार्टर फाइनल में भारतीय जोड़ी का मुकाबला इंडोनेशिया के लियो और डेनियल मार्थिन से होगा

शेनझेन, एजेंसी

भारत के शीर्ष क्रम के पुरुष मित्र सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और शाहरुख और एकल खिलाड़ी एचएस प्रणय शेन्जेन में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट चाइना मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विक और चिराग ने जापान के अकीरा कोगा और ताइची सैतो को 46 मिनट में 21-15, 21-16 से हराया। क्वार्टर फाइनल में भारतीय जोड़ी का मुकाबला इंडोनेशिया के लियो रोली कारनांडो और डेनियल मार्थिन से होगा।

एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रणॉय ने भी सीधे गेम में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने डेनमार्क के मैग्नस

जोहानसन को 40 मिनट में 21-12, 21-18 से हराया। प्रणॉय का अगला मुकाबला जापान के कोडाई नाराओका से होगा। जोहानसन के खिलाफ, प्रणॉय ने शानदार शुरुआत की और अपने स्मार्ट खेल का इस्तेमाल करते हुए पहले गेम में 6-1 की बढ़त बना ली, लेकिन डेन ने इसे घटाकर 8-6 और फिर 14-11 कर दिया, लेकिन भारतीय ने अपने सारे अनुभव का इस्तेमाल किया और अपने प्रतिद्वंद्वी को लंबी रैलियों में उलझाकर उसे थका दिया और पहला गेम जीत लिया। दूसरा गेम एक गहन मामला था क्योंकि दोनों शटलरों ने 15 अंकों तक कड़ी मेहनत की और फिर 18 अंकों पर बराबरी पर रहे, इससे पहले कि प्रणॉय ने अपने प्रतिद्वंद्वी से बेहतर प्रदर्शन करके प्रतियोगिता को समाप्त कर दिया और अपना क्वाटर फाइनल में स्थान पक्का कर लिया।

प्रणय ने जापानी खिलाड़ी के खिलाफ अच्छी शुरूआत करके पहले गेम में 6 . 1 की बढत बना ली। डेन ने बाद में यह अंतर 8.6 का और 14.11 का कर दिया । इसके बाद प्रणय ने अपने सारे अनुभव का इस्तेमाल करके पहला गेम जीता। दूसरे गेम में मुकाबला बराबरी का रहा और 15 अंक तक दोनों ने जबर्दस्त खेल दिखाया । एक समय पर 18 . 18 से स्कोर बराबर था लेकिन प्रणय ने आखिरी क्षणों में दबाव बनाकर जीत दर्ज की ।

एशियन पैरा आर्चरी चैंपियनशिप

भारतीय दल ने चार गोल्ड, चार सिल्वर व एक ब्रॉन्ज मेडल जीता

नईदिल्ली, एजेंसी

वर्ल्ड नंबर 5 राकेश कुमार ने गोल्ड की हैट्रिक की बदौलत थाईलैंड में खेली जा रही एशियन पैरा आर्चरी चैंपियनशिप में भारत कुल 9 मेडल जीत कर मेडल टैली में टॉप पर रह कर फिनिश किया। भारत ने 4 गोल्ड, 4 सिल्वर और एक ब्रॉन्ज जीता, जबकि साउथ कोरिया ने पांच मेडल के साथ दूसरे स्थान पर फिनिश किया। भारत के राकेश कुमार ने एक इंडिविजुअल इवेंट और दो टीम इवेंट में गोल्ड हासिल किए। राकेश कुमार ने इंडिविजुअल मेंस कम्पाउंड में इंडोनेशिया के केन स्वांगमिलांग को 145-144 से हराया। वहीं, मेंस कम्पाउंड टीम मे सुरज सिंह के साथ चाइना ताइपे की जोड़ी को 147-144 से हराया। इसके बाद मिक्स्ड

इवेंट में शीतल देवी के साथ इंडोनेशिया की जोड़ी के खिलाफ 154-149 से एकतरफा जीत हासिल की। राकेश कुमार ने पैरा एशियन गेम्स 2022 में सिल्वर मेडल जीता। भारत ने विमेंस कंपाउंड ओपन टीम इवेंट में चौथा गोल्ड जीता। शीतल और ज्योति ने साउथ कोरिया की जिन यंग जियोंग और नामी चोई को एकतरफा फाइनल में 148-137 से हराया। विमेंस रिकर्व ओपन टीम फाइनल में भारत इंडोनेशिया से टाई-ब्रेकर में 4-5 से हार गया। हरविंदर श विवेक चिकारा की मेंस रिकर्व डबल्स टीम साउथ कोरिया से 2-6 से हार गई।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

फिल्म 'फूल और कांटे' में अजय के अपोजिट मधु ने भी किया था डेब्यू

अजय देवगन ने 32 साल पहले फिल्म 'फूल और कांटे' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। 22 नवंबर, 1991 में रिलीज हुई इस फिल्म में अजय ने दो चलती हुई बाइक पर खड़े होकर एंट्री मारी थी। फिल्म इंडस्ट्री में 32 साल पूरे होने पर अजय देवगन ने अपना एक पुराना इंटरव्यू वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में अजय बता रहे हैं कि अपनी डेब्यू फिल्म को थिएटर में देखने का उनका एक्सपीरियंस कैसा रहा। सोशल मीडिया पर इसे शेयर करते हुए वीडियो में अजय ने बताया, 'गैलेक्सी में हमारी फिल्म का प्रीमियर था। इसके अलावा जेमिनी थिएटर में भी इसका एक शो चल रहा था। वहां सारे टिकिट बिक चुके थे। मैंने प्रोजेक्शन रूम से झांककर देखा, फिर हॉल में गया और सबसे आगे वाली लाइन में जाकर बैठ गया। जब 'कॉलेज की लड़की' गाना चला तो लोगों ने सिक्के फेंकना शुरू कर दिए। उनमें से कुछ सिक्के मेरे सिर पर पड़े। मैंने उन्हें उठाया और अपने पास रख लिया। बाद में मैंने उन सिक्कों को फ्रेम करवाया।' अजय ने अपनी पोस्ट में इस वीडियो के अलावा कुछ तस्वीरें भी शेयर कीं। एक तस्वीर में वो पिता वीरू देवगन के साथ नजर आ रहे हैं, जो मशहूर स्टंट डायरेक्टर भी थे। वहीं उन्होंने फिल्म से जुड़ी कुछ फोटोज और फूल और कांटे की इमोजी वाली एक फोटो भी शेयर की। फिल्म फूल और कांटे को कुक्कू कोहली ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म से अजय के अपोजिट एक्ट्रेस मधु ने भी डेब्यू किया था। फिल्म में अमरीश पुरी विलेन ने अजय के पिता का किरदार निभाया था।

फिल्म का रीमेक देखना चाहते हैं अजय

पिछले साल अजय ने फिल्म फूल और कांटे का रीमेक देखने की इच्छा जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि वो अभी भी थोड़ी प्रैक्टिस करने के बाद दो बाइक पर खड़े होकर स्टंट कर सकते हैं। अजय इन दिनों रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' पर काम कर रहे हैं। उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'भोला' थी।

'एनिमल' में यंग एज से लेकर 50 साल तक के किरदार में दिखेंगे रणबीर कपूर

रणबीर कपूर स्टारर फिल्म 'एनिमल' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म में रणबीर एक अनसीन अवतार में नजर आ रहे हैं। इसका ट्रेलर एक्शन से भरपूर है और बैकग्राउंड म्यूजिक कमाल है। साढ़े 3 मिनट के इस ट्रेलर में रणबीर और अनिल के बीच की इंटेंस कन्वर्जेशन, धमाकेदार एक्शन सीन, इमोशन सीन और बॉबी देओल का खौफ नजर आया है। इस ट्रेलर को लेकर पब्लिक में भी जबरदस्त क्रेज नजर आया। मात्र आधे घंटे में इसे साढ़े 8 लाख लोगों ने देखा। डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने इस फिल्म में बहुत ही खूबसूरती से रणबीर के टैलेंट का यूज किया है। यह पहली बार है जब रणबीर एक्शन अवतार में नजर आ रहे हैं और वो वाकई कमाल दिख रहे हैं। जानकारी मिली है कि फिल्म में वो यंग एज से लेकर 50 साल तक के किरदार में नजर आएंगे। रश्मिका मंदाना इसमें रणबीर की लव इंट्रेस्ट का रोल प्ले कर रही हैं। ट्रेलर में बॉबी देओल को कम स्क्रीन स्पेस मिला है।

कार्तिक ने सारा को फोन किया!

कार्तिक आर्यन को उनकी एक्स गर्लफ्रेंड सारा अली खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर स्टोरी शेयर की। सारा ने कार्तिक के साथ अपनी फोटो लगाकर लिखा- जन्मदिन मुबारक हो कार्तिक। उन्होंने गले मिलने का, चिड़िया का, पैसों का, मूवी थिएटर का, पॉपकॉर्न का और तारे का इमोजी भी बनाया। सारा ने एक और फोटो लगाई। फोटो में कार्तिक सारा को फोन देते नजर आ रहे हैं। फोन के पीछे दस रुपए का नोट भी दिखाई दे रहा है। सारा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वेकेशन की फोटोज शेयर की हैं। जहां सबसे पहले बीच के पास एक विला के सामने सारा स्विमसूट में नजर आईं। वहीं दूसरी फोटो में सारा अपने बालों में फूल लगाए दिखीं। उन्होंने कैप्शन लिखा- भारतीय नारी सब रंग में प्यारी। तीसरा वीडियो सारा ने पूल और पेड़ों के पास लिया। उन्होंने वीडियो के आखिर में चांद पर फोकस किया। कैप्शन लिखा- बरगद और बादल के बीच। फिर चांद का इमोजी बनाया। चौथे वीडियो में समंदर नजर आया। नेक्स्ट वीडियो में सारा कैजुअल लुक में रिलैक्स करती और किताब पढ़ती दिखीं। वे समंदर में पानी से खेलती भी नजर आईं।

मेट्रो बाजार

मुंबई, एजेंसी

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की पहली सीरीज 30 नवंबर को मैच्योर हो रही है। ये बॉन्ड 2,684 रुपए प्रति ग्राम के इश्यू प्राइस पर 26 नवंबर, 2015 को जारी किए गए थे। फिलहाल IBJA पर गोल्ड की कीमत 6,161 रुपए प्रति ग्राम है। इसी कीमत के आसपास इस बॉन्ड की रिडम्प्शन प्राइस होगी। इस हिसाब से इस सीरीज को रिडीम करने पर 128 फीसदी से ज्यादा रिटर्न मिल सकता है।

सॉवरेन गोल्ड-बॉन्ड ने आठ साल में दिया 128 फीसदी तक रिटर्न

पहली सीरीज के गोल्ड बॉन्ड की 9,13,571 यूनिट (0.91 टन सोना) की बिक्री हुई थी। नियमों के मुताबिक, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की शुरुआती 9 सीरीज के लिए रिडम्पशन प्राइस इश्यू की मैच्योरिटी तारीख से पहले वाले हफ्ते के लिए इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन से प्राप्त 24 कैरेट गोल्ड की क्लोजिंग प्राइस होगी। पहली सीरीज 30 नवंबर को मैच्योर हो रही है, लिहाजा रिडम्पशन प्राइस 20-24 नवंबर के क्लोजिंग प्राइस का एवरेज होगी। सोने की कीमत 366 रुपए बढ़कर 61,616 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। इसी साल 4 मई को सोना 61,646 रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था। इस हिसाब से अभी सोने की कीमत रिकॉर्ड लेवल से सिर्फ 30 रुपए नीचे रह गई है। यदि किसी निवेशक ने नवंबर 2015 में गोल्ड बॉन्ड में 1 लाख रुपए का निवेश किया होगा, तो 30 नवंबर को उसे करीब 2.28 लाख मिलेंगे। यानी इस निवेश पर 8 साल में करीब 1.28 लाख रुपए की कमाई होगी। निवेशकों को पहली सीरीज के गोल्ड बॉन्ड पर सोने के दाम बढ़ने के साथ ही सालाना 2.75 फीसदी ब्याज का भी लाभ मिलेगा। ये प्रति ग्राम 36.91 रुपए प्रति छह महीने, जबकि मैच्योरिटी की पूरी अवधि यानी 8 साल में (1 ग्राम) पर 590.48 रुपए होगा। हालांकि सितंबर, 2016 के बाद जारी सीरीज के गोल्ड बॉन्ड के लिए ब्याज दर सालाना 2.75 फीसदी से घटाकर 2.5 फीसदी कर दी है।

ओरक्सा मेंटिस इलेक्ट्रिक बाइक हुई लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी

ओरक्सा एनर्जीस ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक बाइक इंडियन मार्केट में लॉन्च कर दी है। बेंगलुरु बेस्ड स्टार्टअप का दावा है कि बाइक फुल चार्ज करने पर 221 किलोमीटर की रेंज देती है। प्रीमियम इलेक्ट्रिक बाइक सेगमेंट में इसका मुकाबला अल्ट्रावायलेट एफ 77 से होगा। कंपनी ने इसकी कीमत 3.6 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, बेंगलुरु) रखी है और इसकी बुकिंग शुरू कर दी गई है। पहले 1000 कस्टमर्स के लिए बुकिंग अमाउंट 10,000 रुपए तय की गई है, इसके बाद बुकिंग अमाउंट 25,000 रुपए तक बढ़ जाएगा। ओरक्सा बाइक की डिलीवरी अप्रैल 2024 से अलग-अलग फेज में करेगी, जिसकी शुरुआत बेंगलुरु से होगी। मेंटिस के लुक्स की बात करें तो इसमें एक यूनिक रुडिजाइन, एक स्कल्प्ड टैंक और ट्विन प्रोजेक्टर हेडलाइट सेटअप के साथ एक एंग्युलर डिजाइन मिलता है। ओरक्सा का दावा है कि 182 केजी वेट के साथ मेंटिस अपने सेगमेंट में सबसे हल्की बाइक है। मेंटिस में स्प्लिट सीट सेटअप दिया गया है और यह दो कलर ऑप्शन - अर्बन ब्लैक और जंगल ग्रे में अवेलेबल होगी। बाइक ऑल-एल्युमीनियम एयरोस्पेस-ग्रेड अलॉय फ्रेम और सबफ्रेम पर डिजाइन की गई है। ई-बाइक 17 इंच के अलॉय व्हील पर चलती हैं।

जीआरपी में आधा दर्जन मामलो में लाखों का माल चोरी

राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में त्योहारों के बीच बढ़ी वारदातें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में त्यौहारों के बीच चोरी की घटनाएं बढ़ने लगी है। गत चौबीस घंटे के भीतर आधा दर्जन से ज्यादा यात्रियों का लाखों रुपए का सामान चोरी हो गया। जीआरपी ने सभी मामलों में अज्ञात चोरों पर प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

जीआरपी के अनुसार कार्तिक स्वामी पिछले दिनों अपने दोस्त विवेक के साथ राजधानी एक्सप्रेस में चेन्नई से ग्वालियर की यात्रा कर रहा था। यात्रा के दौरान दोनों युवक अपनी-अपनी बर्थ पर सो रहे थे। भोपाल रेलवे स्टेशन पर नींद खुली तो दोनों के विट्ठु बैग नहीं थे। बैग के अंदर दोनों युवकों की स्कूली मार्कशीट, मैकेनिकल इंजीनियरिंग का डिप्लोमा का सर्टिफिकेट, पेनकार्ड, आधार कार्ड, बैंक पास बुक, नगदी 15 हजार रुपए और इस्तेमाली कपड़े थे। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

खिड़की से हाथ छीना मोबाइल

होशंगाबाद निवासी संतोष मीना गत दिनों डां. अंबेडकर नगर एक्सप्रेस के जरनल कोच में बैठकर इटारसी से उज्जैन की यात्रा कर रहे थे। ट्रेन जब भोपाल रेलवे स्टेशन से चलने लगी, तभी किसी बदमाश ने खिड़की से हाथ डालकर उसका मोबाइल छीन लिया और भाग निकला। छीने गए मोबाइल की कीमत साढ़े 27 हजार रुपए बताई गई है।

छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस बैग चोरी

हरियाणा निवासी महेद्रगढ़ निवासी विकास कुमार पिछले दिनों छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से हजरतनिजामुद्दीन से गोंदिया की यात्रा कर रहे थे। भोपाल रेलवे स्टेशन पर देखा तो उनका बैग चोरी हो चुका था। बैग के अंदर आठ हजार रुपए की नगदी, एक मोबाइल, मोबाइल चार्जर, पावर बैंक, घड़ी, लीव पास, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड, करीब 15 हजार रुपए का सामान रखा हुआ था।

केरला एक्सप्रेस से लेडीज पर्स चोरी

केरल निवासी आलाप्पझा में रहने वाले सूजामल एस पिछले दिनों केरला एक्सप्रेस से कयामकुलम से फरीदाबाद की यात्रा कर रहे थे। भोपाल रेलवे स्टेशन पर नींद खुली तो देखा तो उनका एक लेडीज पर्स नहीं है। पर्स के अंदर सैमसंग कंपनी का मोबाइल, चार्जर, एटीएम कार्ड और करीब साढें चार हजार रुपए नकदी रखे हुए थे।

सीट पर रखा युवती का मोबाइल चोरी

दिव्यानी मरावी पिछले दिनों श्रीधाम एक्सप्रेस से जबलपुर से ग्वालियर की यात्रा कर रही थी। ट्रेन जब भोपाल रेलवे स्टेशन पर पहुंचने वाली थी, तभी किसी ने उनकी सीट पर रखा वन प्लस कंपनी का मोबाइल फोन चोरी कर लिया। चोरी गए मोबाइल की कीमत 29 हजार रुपए बताई गई है।

महिला का ट्राली बैग ले उड़े बदमाश

विशाखापट्टनम के महारानीपेटा में रहने वाली बालरेड्डी मनी पिछले दिनों आंध्रा एक्सप्रेस से आगरा से विशाखापट्टनम की यात्रा कर रही थी। भोपाल रेलवे स्टेशन पर देखा तो सीट के नीचे रखा उनका एक ट्राली बैग गायब था। बैग के अंदर सोने की चैन, करीब 20 हजार रुपये नकदी और कपड़े समेत 50 हजार रुपए से ज्यादा का सामान रखा हुआ था।

पिट्ठू बैग समेत 75 हजार का सामान चोरी

मुजफ्फरपुर निवासी शुभम राज पिछले दिनों ट्रेन से मुजफ्फरपुर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की यात्रा कर रहा था। भोपाल स्टेशन पर नजर पड़ी तो सीट पर रखा उसका पिट्ठू बैग गायब था। बैग के अंदर एक लैपटाप, एक हार्ड डिस्क, एक एयरवर्ड, एटीएम कार्ड, क्रेडिट कार्ड, आधार कार्ड, पेन कार्ड, वोटर कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, दो पेन ड्राइव, दो मेमोरी कार्ड, एक लैपटाप चार्जर, एक जैकेट और कपड़े समेत करीब 75 हजार का सामान रखा हुआ था।

चाकू की नोक पर शराब के लिए एक हजार की अड़ीबाजी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हनुमानगंज थाना क्षेत्र स्थित बृजेशिया स्कूल के पास बुधवार देर रात तीन अड़ीबाजों ने चाकू की नोक पर शराब के लिए एक हजार रुपए की अड़ीबाजी की। आरोपियों ने रिलायंस रिटेल में मार्केटिंग टीम के लीडर को पकड़ा था। चाकू देखकर लिडर ने शोर मचाया तो कुछ परिचित मदद के लिए आगे आए थे। लोगों को आता देख बदमाश उसे धमकाते हुए भाग निकले। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अड़ीबाजी का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार निलेश ठाकुर पिता नवल सिंह ठाकुर (30) बालचंद का बगीचा, कारगिल कालोनी छोला रोड पर रहता है। उसने अपने दोस्त भुवनेश्वर माली के साथ थाने पहुंचकर शिकायत की। उसने बताया कि वह रिलायंस रिटेल में मार्केटिंग टीम लीडर है। बुधवार रात करीब पौने 12 बजे वह बृजेशिया स्कूल के सामने से अपने घर जा रहा था, तभी दिवस लोधी एवं राज मंडी मिले। दिवस लोधी कहने लगा कि शराब पीने के लिए एक हजार रुपए चाहिए। निलेश ने रुपए देने से मना किया तो राज मंडी ने थप्पड मार दिया। उसी समय उनका दोस्त आकाश आया और छुरी दिखाकर कहने लगा कि तुझे आज तो रुपए देने ही पड़ेगे। इसी बीच निलेश के दोस्त भुवनेश्वर और राजू वहां पहुंचे तो तीनों आरोपी धमकाते हुए निकल गए।

रिटायर्ड फौजी के सूने मकान से जेवरात समेत नगदी चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित शक्ति परिसर कलखेड़ा में रिटायर्ड फौजी के सूने मकान का ताला तोड़कर बदमाश नगदी समेत जेवरात चुराकर ले गए। बदमाश उनके घर से लाखों रुपए का माल चुराकर ले गए हैं। रिटायर्ड फौजी ने फिलहाल चोरी गए सामान का बिल पेश नहीं किया है।

पुलिस के अनुसार राजेश कुमार पाटिल पिता रामपत पाटिल (46) शक्ति परिसर, कलखेड़ा रोड, नीलबड़ थाना रातीबड में रहते हैं। वे आर्मी से रिटायर्ड हैं। उन्होंने अपनी पत्नी अर्चना नागले के साथ पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत करते हुए बताया कि 22 नवंबर की रात करीब 9 बजे वह पत्नी और बच्चों के साथ संजीव नगर में रहने वाले साडूभाई ओमप्रकाश के घर गए थे। रात वे साडूभाई के घर ही रुके और गुरुवार सुबह करीब सवा सात बजे अपने घर लौटे थे। इस दौरान उन्होंने देखा तो गेट पर लगे ताले का कुंदा टूटा पड़ा था और गेट खुला हुआ था। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि अलमारी का लाकर टूटा हुआ है और पूरा सामान बिखरा पड़ा था। चेक करने पर पता चला कि बदमाश अलमारी के लाकर में रखा सोने का नेकलेस, एक जोड़ कान की झुमकी, एक सोने की अगूठी, एक जोड़ कान के सुई धागा और बच्चे की हाय समेत हाथ घड़ी चुराकर ले गए है।

नाबालिग ने नीम के पेड़ पर फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित गांव सरवर में गुरुकुल स्कूल के पास रहने वाले एक नाबालिग ने गुरुवार शाम फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई?कि वह दोपहर तीन बजे से लापता था और उसकी परिजन तलाश कर रहे थे। शाम करीब पौने छह बजे के आसपास उसकी लाश गुरुकुल से कुछ दूरी पर नीम के पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटकी देखी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस को नाबालिग के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है, वहीं परिजन अभी बयान देने की स्थिति में नहीं है। परिजन के बयान के बाद आत्महत्या के कारण का पता चल सकेगा। प्रधान आरक्षक विनित द्विवेदी ने बताया कि पंकज मौर्य पिता मानसिंह मौर्य (16) मूलत- गौहरगंज, जिला रायसेन का रहने वाला?था और अपने माता पिता के साथ गुरुकुल स्कूल के पास रहता था। वह दसवीं में पढ़ाई कर रहा?था। उसके पिता मानसिंह गुरुकुल स्कूल में भृत्य की नौकरी करते हैं। परिजन ने बताया कि गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे घर से निकला था। इसके बाद से ही उसका कुछ पता नहीं था। परिजन उसकी आसपास तलाश कर रहे थे। इस दौरान उसकी लाश गुरुकुल स्कूल से कुछ दूरी पर नीम के पेड़ पर लटकी मिली।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित चांदबड़ में रहने वाले एक युवक ने कल शाम अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग?कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। मृतक के पास से ऐसा कोई?दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। पुलिस के अनुसार श्याम बरैया पिता सुरेश बरैया (35) नंदू पटेल की चाल, चांदबड़ में रहता?था और एमपी नगर स्थित मैदामिल की प्राइवेट कंपनी में काम करता था। वह शराब पीने का आदी था। कल शाम करीब साढ़े सात बजे उसने अपने कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही पड़ोस में रहने वाले रोहित अहिरवार ने पुलिस को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग?कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस को घटनास्थल से सुसाइड नोट?नहीं मिला है।

आठ स्थानों से लाखों रुपये कीमत के दोपहिया वाहन चोरी

भोपाल। शहर में सख्त सुरक्षा व्यवस्था और लगातार चलने वाली वाहन चैकिंग के बावजूद दोपहिया वाहनों की चोरी नहीं रुक रही है। बीते चौबीस घंटों के दौरान बदमाश अलग-अलग आठ स्थानों से लाखों रुपये कीमत के दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए। पुलिस के मुताबिक एमपी नगर में चिनार पार्क के पास से अमानउल्ला, डीके पैलेस अयोध्या नगर से दिलीप साहू, आईएसबीटी गोविंदपुरा से नरेंद्र राय, दयानंद चौक कोतवाली से फैसल खान, एलबीएस रोड शाहजहांनाबाद से रामस्वरूप, मनुआभान की टेकरी कोहेफिजा से मोहन कुमार रजक, रूपनगर कालोनी करोंद से तूफानसिंह शाक्य और ग्राम पीपलनेर गांधी नगर से अंकित मारन की मोटर सायकिल चोरी हो गई।

हत्या के प्रयास के मामलों में फरार नाबालिग समेत 4 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। बैरसिया थाने में दर्ज हत्या के प्रयास के तीन अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे एक नाबालिग समेत कुल 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से तीन आरोपियों की गिरफ्तारी पर 2-2 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस के मुताबिक हत्या के प्रयास के मामले में पिछले चार महीने से फरार चल रहे आरोपी विनोद कुशवाह (42) निवासी अदालत के पास बैरसिया को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार हत्या के प्रयास के दूसरे मामले में फरार चल रहे आरोपी बिशन नारायण गुर्जर (52), रामबाबू गुर्जर (35) और मांगीलाल गुर्जर (25) तीनों निवासी ग्राम उंदरई थाना गुनगा को गिरफ्तार किया गया है। इसी प्रकार हत्या के प्रयास के तीसरे में फरार चल रहे एक नाबालिग को पकड़ा गया है।

दूसरी मंजिल से गिरी महिला, एम्स में मौत

भोपाल। बागसेवनिया थाना क्षेत्र पिपलिया पेंदे खां कल सुबह एक महिला दूसरी मंजिल से गिर गई। परिजन उसे तत्काल एम्स अस्पताल लेकर पहुंचे थे। वहां इलाज के दौरान कुछ ही देर बाद महिला की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि करीब 25 फीट की ऊंचाई से गिरने के कारण महिला को सिर में और हाथ पैर में गंभीर चोट थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार गीता सिंह पति फूलसिंह (42) पिपलिया पेंदे खां, बागसेवनिया में रहती थी और गृहणी?थी। उनके पति प्राइवेट काम करते हैं।

मेट्रो एंकर

मुंबई के इंजीनियर ने लॉ की छात्रा से किया दुष्कर्म, दो साल तक करता रहा शोषण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुंबई के एक इंजीनियर ने सोशल मीडिया पर लॉ (वकालत)की छात्रा को झांसा देकर अपने प्रेमजाल में फंसा लिया। शादी का प्रलोभन देकर आरोपी करीब दो साल से दुष्कर्म कर रहा था। बाद में वह अपने वादे से साफ मुकार गया।

शादी से इनकार करने पर पीड़िता युवती ने अशोका गार्डन थाने जाकर आरोपी के खिलाफ बलात्कार का प्रकरण दर्ज कराया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम मुंबई रवाना होने की तैयारी कर रही है। पुलिस के मुताबिक अशोका गार्डन इलाके में रहने वाली 27 वर्षीय युवती लॉ की छात्रा है। करीब तीन साल पहले सोशल मीडिया पर छात्रा की मुलाकात मुंबई के इंजीनियर विपिन सिंह से हुई थी। दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत होने लगी। करीब दो साल पहले विपिन सिंह उक्त युवती से मिलने भोपाल उसके घर आया था। उसी दौरान शादी का प्रलोभन देकर आरोपी ने युवती के साथ संबंध स्थापित किए। आरोपी ने झांसा दिया था कि वह जल्द ही उससे शादी कर लेगा। करीब दो साल तक बीच-बीच में आरोपी भोपाल आता रहा। हर बार उसने युवती के साथ दुष्कर्म किया। पिछले दिनों युवती ने आरोपी पर शादी का दबाव बनाया तो वह साफ मुकर गया।

दरवाजे पर खड़ी महिला से युवक ने की अश्लील हरकत

भोपाल। नजीराबाद इलाके में घर के दरवाजे पर खड़ी एक महिला के साथ मोहल्ले में रहने वाले युवक ने अश्लील हरकत कर दी। महिला ने इसका विरोध किया तो युवक ने उसे डंडा मार दिया। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाली 28 वर्षीय महिला गृहणी है। उसका पति दूसरे शहर में रहकर मजदूरी करता है। बुधवार की शाम करीब सात बजे महिला घर के दरवाजे पर खड़ी हुई थी, तभी मोहल्ले में रहने वाला भगवान सिंह नशे की हालत में निकला और महिला के साथ अश्लील हरकत कर दी। महिला ने धक्का दिया तो वह भगवान सिंह जमीन पर गिर पड़ा। उसके बाद भगवान सिंह ने पास ही पड़ा एक डंडा उठाया और महिला पर हमला कर दिया। शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे और बीच बचाव किया। देर रात महिला अपनी सास के साथ नजीराबाद थाने पहुंची और घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022